संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 252
पृष्ठ 8
मंगलवार
02 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी...

विचार- नहीं रहे उर्दू शायरी का परचम बुलंद...

खेल- 2016 में रन मशीन, 2026 में मैच...

सीएम योगी बोले-

अपराधी प्रवृत्तियों से सख्ती से निपटना भी आवश्यक

बिजनौर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिजनौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गाजियाबाद के सूर्या चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोस्ती के नाम पर हिंसा और छुरेबाजी जैसी घटनाएं किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं हैं। सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद की यह घटना बेहद दुखद है और इसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने अभिभावकों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि यदि माता–पिता अपने बच्चों को सही संस्कार और दिशा देने में असफल रहते हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा कानून का सम्मान करने वाले आम नागरिकों

के साथ खड़ी है। वहीं, कानून–व्यवस्था को चुनौती देने वाले और समाज में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी आपराधिक घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बता दें कि सीएम योगी सोमवार को बिजनौर जनपद में अफजलगढ़ क्षेत्र के आलमपुर गांवड़ी गांव पहुंचे। दोपहर करीब 1रू55 बजे उनका हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर उतरा, जहां बढ़ापुर विधायक कुंवर सुशांत सिंह समेत भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल के निकट लगाई गई विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विदुर ब्रांड उत्पादों, कृषि एवं उद्यानिकी प्रदर्शनी, ऊर्जा विकास से जुड़े स्टॉलों तथा पुलिस विभाग की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रेरणा कैफे का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए शरणार्थी परिवारों और पूर्व सैनिक परिवारों से मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान कृषकों और पूर्व सैनिकों को अधिकार पत्र एवं खतौनी का वितरण किया गया। साथ ही कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया गया। सीएम योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अहिंसा और करुणा मानवता के आभूषण हैं, लेकिन समाज और राष्ट्र के सामने दुष्ट एवं अपराधी प्रवृत्तियों से सख्ती से निपटना भी आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम के आदर्शों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सज्जनों की रक्षा और दुष्कर्मियों के दमन के लिए दृढ़ता जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग सामान्य नागरिकों, गरीबों, महिलाओं और समाज की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल तत्वों के प्रति भी सख्त रुख अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए कानून का शासन सर्वोपरि है और अपराध और अराजकता फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पीएम मोदी ने गिनाईं स्वनिधि की उपलब्धियां

बिना गारंटी लोन से आत्मनिर्भर बने छोटे कारोबारी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि रेहड़ी–पटरी वालों की मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने बिना गारंटी की ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी–पटरी वालों का जीवन बदला है। मोदी ने इस योजना के छह वर्ष पूरे होने पर यह भी कहा कि पीएम स्वनिधि भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी योजना है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्श्आज पीएम स्वनिधि के छह वर्ष पूरे हो गए। यह ऐसी योजना है, जिसने बिना गारंटी ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध

कराकर असंख्य रेहड़ी–पटरी वालों का जीवन बदला है। यह योजना भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी है। उन सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनका संकल्प और जिनकी उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। पीएम स्वनिधि केंद्र सरकार की योजना है जो रेहड़ी–पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। पीएम स्वनिधि को कोरोनावायरस महामारी के दौरान शुरू किया गया था ताकि उन रेहड़ी–पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जा सके जिनके व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए थे। यह रेहड़ी–पटरी लगाने वाले विक्रेताओं के लिए पहली समर्पित सूक्ष्म–ऋण योजना है।

भारत और ओमान के बीच सीईपीए समझौता लागू, दोनों देशों के बिजनेस को मिलेगी नई रफ्तार

नयी दिल्ली,एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौते के सोमवार से लागू होने को दोनों देशों के संबंधों में एक नये अध्याय की शुरुआत बताया। गोयल ने सोशल मीडिया पर कहा, आज से भारत–ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हो रहा है, और मैं इस बारे में लिख रहा हूँ कि यह समझौता दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को कैसे और मजबूत करेगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के भारत की वैश्विक व्यापार साझेदारी को विस्तार देने के दृष्टिकोण से प्रेरित यह समझौता नए बाजार खोलकर, निर्यात बढ़ाकर, निवेश आकर्षित करके और रोजगार सृजन में तेजी लाकर भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को महत्वपूर्ण रूप से लाभ पहुंचाएगा। गौरतलब है कि दोनों देशों ने पिछले वर्ष दिसंबर में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता ऐसे समय प्रभावी हो रहा है जब खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की स्थिति के कारण क्षेत्र के देशों के साथ भारत का व्यापार प्रभावित हुआ है। ओमान छोटा देश है और वहां की आबादी 55 लाख तथा सकल घरेलू उत्पाद 110 अरब डॉलर का है इसलिए भारत और ओमान के उपेक्षित व्यापार का स्तर आबादी और अर्थव्यवस्था की सीमाओं में रहने की संभावना है। भारत और ओमान के बीच 2024 25 में द्विपक्षीय व्यापार 10.61 अरब डॉलर के बराबर था। द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत को ओमान के बाजार में अपनी निर्यात सूची की 98. 08 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क में शत प्रतिशत छूट मिलेगी। इससे इंजीनियरिंग, औषधि समुद्री उत्पाद, कपड़ा ,रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक और रत्न –आभूषण क्षेत्र को फायदा मिलने की संभावना है। सरकार ने इस समझौते के तहत श्रम गहन घरेलू क्षेत्र के हितों को ध्यान में रखा है।

एंट्री टैक्स के विरोध में पंजाब–हिमाचल सीमा पर चक्का जाम, हाईवे पर लगी लंबी लाइन

रोपड़,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में प्रस्तावित एंट्री टैक्स के विरोध में संघर्ष समिति ने सोमवार को कीरतपुर साहिब–मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रोककर प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन दोपहर 3 बजे तक जारी रहा, जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हिमाचल सरकार द्वारा प्रस्तावित एंट्री टैक्स आम जनता, व्यापारियों, किसानों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों के हितों के खिलाफ है। आंदोलन के चलते पर्यटकों, यात्रियों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। संघर्ष समिति के नेता गौरव राणा ने कहा कि जब तक हिमाचल प्रदेश सरकार एंट्री टैक्स का प्रस्ताव वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह टैक्स पंजाब और हिमाचल के बीच नियमित आवाजाही करने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगा। साथ ही इससे परिवहन लागत बढ़ेगी और सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका प्रभावित होगी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध काफी मजबूत हैं। ऐसे में एंट्री टैक्स लागू होने से व्यापार, पर्यटन और दैनिक आवागमन प्रभावित हो सकता है। संघर्ष समिति ने दावा किया कि टैक्स लागू होने से सीमावर्ती क्षेत्रों में कारोबार पर नकारात्मक असर पड़ेगा और पर्यटकों की संख्या भी घट सकती है। हाईवे जाम होने के कारण मनाली, कुल्लू और बिलासपुर की ओर जाने वाले पर्यटकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं पंजाब और हिमाचल के बीच सामान ले जाने वाले व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही भी बाधित रही। कई यात्री घंटों तक सड़क पर फंसे रहे, जबकि पुलिस और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए थे।

फर्जी खातों की जांच कराएगी बंगाल सरकार, सीएम शुभेंदु के निर्देश- एसआईटी गठित करें डीजीपी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में महिलाओं को आर्थिक मदद देने वाली 'लक्ष्मीर भंडार' योजना अब बड़े विवाद में घिर गई है। राज्य सरकार ने दावा किया है कि इस योजना में लाखों फर्जी खाते बनाए गए और सरकारी पैसे का गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ। इसी मामले को लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को विशेष जांच दल यानी एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि योजना के नाम पर बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई और अब इसकी पूरी जांच कराई जाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नबान्न सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि लक्ष्मीर भंडार योजना में करीब 30 लाख खाते फर्जी पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ फर्जीवाड़ा नहीं बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी हो सकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार कई ऐसे लोगों ने भी इस योजना का लाभ लिया जो इसके पात्र ही नहीं थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बनाई गई योजना में

पुरुषों के नाम पर भी पैसे निकाले गए। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जांच में सामने आया है कि कई पुरुषों ने गलत दस्तावेज देकर महिलाओं की आर्थिक सहायता योजना का फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। सरकार का आरोप है कि पुराने तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान इस योजना में बड़े स्तर पर लापरवाही हुई। अब सरकार गांव और वार्ड स्तर तक जांच कर फर्जी लाभार्थियों की पहचान करेगी। सरकार के अनुसार एसआईटी सिर्फ फर्जी खातों की जांच नहीं करेगी बल्कि यह भी देखा जाएगा कि सरकारी पैसा किन खातों में गया और किस तरह निकाला गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां जरूरत होगी वहां मनी लॉन्ड्रिंग की जांच भी कराई जाएगी। सरकार का मानना है कि कई खातों के जरिए अवैध तरीके से पैसे ट्रांसफर किए गए। जांच एजेंसियां बैंक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की भी जांच करेंगी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नई अन्नपूर्णा भंडार योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नई योजना में महिलाओं को हर महीने 3 हजार रुपये तक की मदद दी जाएगी। इस योजना के लिए 12 पन्नों का सत्यापन फॉर्म रखा गया है। विपक्ष इस फॉर्म को लेकर सवाल उठा रहा है, लेकिन सरकार का कहना है कि पिछली योजना में हुई गड़बड़ियों को देखते हुए सख्त जांच जरूरी है। सरकार का दावा है कि बिना मजबूत जांच के फर्जीवाड़ा नहीं रोका जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जमीनी स्तर पर हर गड़बड़ी को खत्म करेगी। उन्होंने साफ कहा कि गलत तरीके से सरकारी पैसे लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। सरकार का कहना है कि असली लाभार्थियों तक पैसा पहुंचाना उसकी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बुधवार से बड़ी संख्या में महिलाओं को अन्नपूर्णा भंडार योजना का लाभ मिलना शुरू होगा। लक्ष्मीर भंडार योजना बंगाल की राजनीति में लंबे समय से बड़ा मुद्दा रही है। अब फर्जी खातों और अवैध भुगतान के आरोपों के बाद राज्य की राजनीति और गरमा सकती है। सरकार इस मामले को भ्रष्टाचार और सरकारी पैसे की लूट बता रही है, जबकि विपक्ष इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से जोड़ सकता है। आने वाले दिनों में एसआईटी जांच की रिपोर्ट पर पूरे राज्य की नजर रहेगी।

मूल्यांकन प्रणाली पर राहुल का हमला, बोले-

गलती बोर्ड की, कीमत छात्र चुका रहे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली की पृष्ठभूमि में सोमवार को दावा किया कि आज छात्र को अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच के लिए 2000 रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। राहुल ने आरोप लगाया है कि सीबीएसई में जेबकतरे बैठे हैं, जिनसे सावधान रहने की जरूरत है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, जेबकतरों से सावधान, आज वो सीबीएसई के अंदर बैठे हैं। सीबीएसई की गलती से नंबर गलत आए तो आपको क्या मिलता है? उन्होंने कहा, एक बिल है, इसमें प्रति विषय डिजिटल स्कैन

कॉपी का खर्च 100 रुपये, फिर से टोटल करने का खर्च प्रति पेपर 100 रुपये और पुनर्मूल्यांकन का खर्च प्रति प्रश्न 25 रुपये है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच के लिए एक बच्चे को 2000 रुपये तक भरने पड़ सकते हैं। उनका कहना है, सोचिए, जब चार लाख बच्चों ने ऐसे आवेदन डालें हैं तो सीबीएसई कितनी कमाई कर रहा है। जब स्कैनिंग फोन से हुई हो, गलत मार्किंग तय है। और उसे ठीक करवाने की कीमत बच्चा भर रहा है।गलती सीबीएसई की। सजा बच्चे की। कमाई सरकार की। राहुल गांधी ने दावा किया, जब शिक्षा को सेवा नहीं, कारोबार बना दिया जाए तब गलती सुधारी नहीं जाती, बढ़ाई जाती है। इसकी सबसे बड़ी कीमत हमारे बच्चे चुका रहे हैं, अपने समय से, अपने आत्मविश्वास से, और अपने भविष्य से।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 5 नए जज, नियुक्ति पर राष्ट्रपति ने लगाई मुहर, नोटिफिकेशन जारी

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय में सोमवार को पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई और इसी के साथ शीर्ष

अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो जाएगी। यह संख्या बढ़ाई गई स्वीकृत संख्या 38 से एक कम है। केंद्रीय विधि मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा सोमवार सुबह जारी अलग–अलग अधिसूचनाओं के अनुसार, उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली को शीर्ष अदालत का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनके शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या औपचारिक रूप से 37 हो जाएगी। सरकार ने पिछले महीने एक कानून में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया था जिसके तहत भारत के प्रधान न्यायाधीश सहित शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई। न्यायालय में पहले से ही दो पद खाली थे। स्वीकृत संख्या बढ़ाए जाने के बाद शीर्ष अदालत में कुल पद रिक्त छह हो गए थे।

तृणमूल सांसदों पर हमलों को लेकर शिवसेना यूबीटी की राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

मुंबई,एजेंसी। टीएमसी सांसदों पर हुए कथित हमले को लेकर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया कथित हमला शजितना क्रूर था, उतना ही कायरतापूर्ण भी था। पिछले दो दिनों में कोलकाता में घटी चौंकाने वाली घटनाओं ने न केवल पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठा को, बल्कि पूरे देश की प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचाया है।पश्चिम बंगाल को लंबे समय से भारत के सबसे सभ्य राज्यों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन वहां अब हिंसा, घृणा और भीड़तंत्र का प्रतीक बन गया है। संपादकीय में तर्क दिया गया कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल की, लेकिन यह स्पष्ट है कि जन कल्याण के लिए इस जनादेश का उपयोग करने के बजाय, वे श्राजनीतिक प्रतिशोध की अपनी चिरस्थायी खुमारी मिटानेश में लगे हुए हैं। संपादकीय में लिखा गया, अगर ममता बनर्जी के कार्यकाल में सांसदों पर ऐसे हमले हुए होते, तो राज्यपाल तुरंत केंद्र सरकार को राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर देते। बंगाल की मौजूदा स्थिति भयावह है। अभिषेक बनर्जी के सिर पर सीधे पत्थर फेंके गए, वे सिर्फ इसलिए बच गए क्योंकि उन्होंने हेलमेट पहना हुआ था। सांसद कल्याण बनर्जी का भी यही हाल हुआ। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हमला पूर्व नियोजित था और उनकी हत्या की सोची–समझी साजिश थी। हालांकि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने हमेशा की तरह जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए दावा किया कि भाजपा का इन घटनाओं से कोई संबंध नहीं है और इसे जनाक्रोश करार दिया। संपादकीय में आगे लिखा गया, ष्यह कहानी कि जनता अचानक भाजपा की इतनी दीवानी हो गई कि उसने गुस्से में ममता के सांसदों पर हमला कर दिया, पूरी तरह अविश्वसनीय है। यह सुनियोजित, संगठित गुंडागर्दी है। भाजपा या तो ममता की पार्टी को तोड़ना चाहती है या बंगाल पर स्थायी रूप से गुंडों का शासन स्थापित करना चाहती है। लेखे में कहा गया, भाजपा दावा करती थी कि ममता बनर्जी के शासनकाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों ने पश्चिम बंगाल की संस्कृति को बर्बाद किया और आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया, तो फिर मौजूदा भाजपा शासन में इस भयावह हिंसा को अंजाम देने वाले लोग कौन हैं? बांग्लादेशी घुसपैठियों की जगह अब तिलक लगाए गुंडों ने ले ली है। अगर कोई इसे सत्ता परिवर्तन कहता है, तो वह भारतीय संविधान के साथ विश्वासघात कर रहा है। संपादकीय के अनुसार, श्श्टीएमसी के दो सांसदों को जानबूझकर हत्या के प्रयास में निशाना बनाया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि न तो पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और न ही राज्यपाल ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

तेज रफ्तार सफारी की टक्कर से अधिवक्ता की मौत, 25 दिन पहले हुई थी शादी

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सीएवी इंटर कॉलेज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अधिवक्ता की मौत हो गी। सिविल लाइंस से अल्लापुर की तरफ जाने के दौरान हादसा हुआ। अधिवक्ता की पहचान धर्मेंद्र कुमार)39) के रूप में हुई है।

सीएवी इंटर कॉलेज के पास रविवार शाम पांच बजे के करीब तेज रफ्तार सफारी गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार हाईकोर्ट के अधिवक्ता धर्मेंद्र यादव (32) की मौत हो गई। वह बाइक से

अल्लापुर स्थित अपने कमरे पर लौट रहे थे। हादसे के बाद चालक वाहन रुकने की बजाय उन्हें कुचलते हुए भाग गया। धर्मेंद्र की शादी 25 दिन पहले ही हुई थी। कर्नलगंज पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

मूलरूप से वाराणसी के चोलापुर गांव धरसौना निवासी धर्मेंद्र यादव पुत्र बिरजू यादव पांच साल से अल्लापुर में रहकर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। वह वाराणसी से रविवार शाम लौटे थे। प्रयागराज जंक्शन पर खड़ी बाइक से अल्लापुर स्थिति अपने कमरे पर जा रहे थे। गोबर गली स्थित सीएवी इंटर कॉलेज के पास पहुंचे तो तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार सफारी चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। धर्मेंद्र बाइक समेत उछलकर दूर सड़क पर जा गिरे। धर्मेंद्र के भाई जितेंद्र यादव ने बताया कि वह वाराणसी कचहरी गए थे और शाम को ही प्रयागराज लौटे थे। परिजनों के मुताबिक, धर्मेंद्र की पांच मई 2026 को शादी हुई थी। घर में शादी की खुशियों का माहौल था। पत्नी के हाथों की मेहंदी का रंग भी नहीं छूटा था कि हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। धर्मेंद्र अपने चार भाइयों और दो बहनों में तीसरे नंबर के थे। कर्नलगंज पुलिस घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चालक की पहचान में जुट गई है।

मिसेज यूनिवर्स का ताज किसने जीता... जैसे सवालों से हुई अभ्यर्थियों की परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रारंभिक परीक्षा–2025 रविवार को प्रदेश के 10 जिलों और 261 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा में मिसेज यूनिवर्स का ताज जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री जैसे प्रश्न पूछे गए। इसके अलावा भूगोल और विज्ञान से जुड़े प्रश्नों ने भी अभ्यर्थियों की जानकारी को परखा। पूछा गया कि विश्व में सर्वाधिक ज्वालामुखी किस क्षेत्र में पाए जाते हैं। परीक्षा में पंजीकृत 114951 अभ्यर्थियों में से लगभग 53.23 प्रतिशत ने उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे तक आयोजित की गई।

विभिन्न कॉलेजों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आर्य कन्या इंटर कॉलेज मुट्ठीगंज, रमा देवी बालिका इंटर कॉलेज सहित कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी प्रबंध दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

नहाते समय गंगा में डूबने से शिक्षक की मौत

प्रयागराज। शिष्यों के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे शिक्षक की डूबने से मौत हो गई। मौत की सूचना पर रोते बिलखते हुए परिजन मानिकपुर शाहाबाद घाट पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मानिकपुर निवासी मनोज मौर्य (44) रायबरेली शहर की कोचिंग में नीट परीक्षा की तैयारी कराते थे। रविवार को वह अपने दो शिष्यों रायबरेली के ऊंचाहार निवासी धीरज मिश्रा और बहराइच के प्रशांत के साथ गंगा स्नान करने के लिए मानिकपुर पहुंचे। पुलिस के अनुसार शिक्षक ने पहले घाट पर मोबाइल से रील बनाई। शिष्यों के साथ मुख्य स्नान घाट से करीब 150 मीटर दूर स्नान करने चले गए।

नाविकों के अनुसार नदी की बीच धारा के पास भी रील बनाने का प्रयास किया। इस बीच मनोज गहरे पानी में समा गए। शिष्य धीरज ने बचाने का प्रयास किया तो वह भी डूबने लगा। नदी के किनारे खड़े नाविकों ने युवकों को डूबते देख नाव से पहुंचे। धीरज को किसी तरह नाविकों ने बचा लिया लेकिन मनोज की डूबने से मौत हो गई। पुलिस की मौजूदगी में करीब दो घंटे के प्रयास के बाद नाविकों ने शव को नदी से खोज निकाला। सीएचसी कालाकांकर पहुंचने पर चिकित्सकों ने शिक्षक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शिष्यों से पूछताछ के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों शिष्यों के मोबाइल को पुलिस ने कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। पैतृक गांव से रोते बिलखते हुए परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। पति की मौत की जानकारी पर पत्नी भी दो बेटों के साथ रायबरेली से रवाना हुई है। पुलिस की पूछताछ में धीरज ने बताया कि शिक्षक के साथ गंगा स्नान करने की योजना बनाई थी। पहले सब गोकना घाट स्नान के लिए जाने वाले थे। शिक्षक के कहने पर मानिकपुर स्नान करने के लिए आए थे। पैतृक गांव मानिकपुर होने के कारण शिक्षक ने शाहाबाद घाट पर स्नान करने की बात कही थी। बाइक से मनोज शिष्यों के साथ मानिकपुर पैतृक गांव पहुंचा। बाइक और हेलमेट घर पर रखकर स्नान करने शाहाबाद घाट पहुंचा था।

शिक्षक के साथ आए दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है। परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। –बृजनंदन राय, एएसपी पश्चिमी

मुख्य अभियंता के निलंबन रोक, मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चीफ इंजीनियर (वितरण) पंकज अग्रवाल को राहत देते हुए उनके निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने दिया है। याची अलीगढ़ में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत थे। राजस्व में लापरवाही व काम के प्रति उदासीनता के आरोप में उन्हें 19 जनवरी 2026 को निलंबित कर दिया गया। इस फैसले को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि निलंबन आदेश उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (अनुशासन एवं अपील) विनियम–2020 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। नियमानुसार निलंबन की शक्ति का प्रयोग तब किया जाना चाहिए, जब आरोप इतने गंभीर हों कि उनके सिद्ध होने पर बड़ा दंड दिया जा सके। निलंबन आदेश पारित करने से पहले सक्षम प्राधिकारी को आरोपों से संबंधित रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए थी। एक तर्कसंगत आदेश पारित करना चाहिए था। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए दोनों पक्षों को अपना–अपना शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। 10 अगस्त को मामले की सुनवाई होगी।

पेपर लीक को लेक सर्किट हाउस में युवाओं से आप सांसद संजय सिंह ने किया संवाद, अधिकारियों से नोकझोंक

प्रयागराज। सर्किट हाउस में प्रतियोगी छात्रों से आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह संवाद कर रहे थे। संवाद के दौरान सभागार में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सिटी सत्यम मिश्रा और डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल्य पहुंच गए। सर्किट हाउस में प्रतियोगी छात्रों से आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह संवाद कर रहे थे। संवाद के दौरान सभागार में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सिटी सत्यम मिश्रा और डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल्य पहुंच गए। भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों ने आप सांसद संजय सिंह से किनारे चलकर बात करने को कहा। इस पर संजय सिंह भड़क गए और अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाई। कहा कि जिस परीक्षा पर हो रही चर्चा को आप रोकने के लिए आए हैं वही परीक्षा पास करके आप अधिकारी बने हैं।

सांसद संजय सिंह अपनी जगह से नहीं हिले। उन्होंने कहा कि क्या मैं कानून व्यवस्था

भंग कर रहा हूं, जो आप मुझे रोकने आए हैं। आपको सर्किट हाउस के अंदर आने का अधिकार ही न हीं है। अगर में सार्वजनिक स्थान या सड़क पर कोई कार्यक्रम करता तो आप एक बार रोक सकते थे। कहा कि आप सांसद के अधिकारों का हनन करना चाहते हैं। इसकी शिकायत मैं प्रिविलेज कमेटी से करूंगा। एडीएम सिटी के सभागार में पहुंचने के दौरान बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सर्किट हाउस आपकी प्रॉपर्टी नहीं: सांसद संजय सिंह ने एडीएम और डीसीपी से कहा कि सर्किट हाउस आपकी निजी प्रॉपर्टी नहीं है। यह जनता के पैसे से बना है। बंद कमरे में क्या हो रहा है यह देखना आपका काम नहीं है। यहां पर कोई देश विरोधी बात हो रही है क्या। यहां परीक्षाओं में पेपर लीक पर चर्चा हो रही है। क्या लोकतंत्र में इस पर बात करना गुनाह है। यह पहली बार देख रहा हूं कि प्रशासन कह रहा है कि पेपर लीक पर बात मत करिए। लाखों छात्रों का जीवन बर्बाद हो रहा है और बात नहीं की जाएगी।

मरम्मत के लिए तीन जून से डेढ़ महीने तक बंद रहेगी शास्त्री पुल की एक लेन, बदले मार्ग से जाएंगे वाहन

प्रयागराज। शास्त्री पुल पर मरम्मत कार्य के कारण तीन जून से 15 जुलाई 2026 तक दारागंज से झूंसी जाने वाली लेन पर आवागमन बाधित रहेगा। दूसरी लेन से केवल दो पहिया और छोटे चारपहिया वाहनों के आवागमन की अनुमति रहेगी।

शास्त्री पुल पर मरम्मत कार्य के कारण तीन जून से 15 जुलाई 2026 तक दारागंज से झूंसी जाने वाली लेन पर आवागमन बाधित रहेगा। दूसरी लेन से केवल दो पहिया और छोटे चारपहिया वाहनों के आवागमन की अनुमति रहेगी। पुल पर मरम्मत कार्य के दौरान सभी प्रकार के भारी व्यावसायिक वाहनों, ट्रकों, डंपरों, ट्रैक्टर–ट्रॉलियों, बसों और इलेक्ट्रिक बसों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इससे शहर में लोडिंग–अनलोडिंग के लिए आने वाले आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को कोखराज, पूरामुफ्ती और धूमनगंज मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा, जबकि उनकी वापसी एयरपोर्ट मार्ग से होगी।

इन मार्गों से होगा आवागमन

कौशाम्बी से वाराणसी जाने वाले भारी वाहन कोखराज टोल प्लाजा और हंडिया बाइपास होकर जाएंगे।

रीवा की ओर से आने वाले वाहन मनगवां और हनुमना होते हुए मिर्जापुर मार्ग से वाराणसी पहुंचेंगे।

चित्रकूट से वाराणसी जाने वाले वाहनों को राजापुर, कौशाम्बी, कोखराज व हंडिया बाइपास से जाना होगा।

मिर्जापुर व रीवा से आने वाले मालवाहक लेप्रोसी, बांगड़ धर्मशाला व जीटी जवाहर फ्लाईओवर के रास्ते शहर आएंगे।

वाराणसी से आने वाली रोडवेज व पर्यटक बस हंडिया, सहसों और फाफामऊ मार्ग से शहर में प्रवेश दिया जाएगा।

जौनपुर से आने वाली बसें फूलपुर, सहसों और फाफामऊ के रास्ते प्रयागराज पहुंचेंगी।

तालाब के पास भाई-बहन का शव मिलने के मामले में गांव के पिता-पुत्रों पर हत्या का केस दर्ज

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के कटियाही गांव में रविवार को तालाब के पास भाई–बहन का शव मिलने के मामले में नया मोड़ आ गया है। पहले भाई–बहन के तालाब में डूबकर मौत की बात कही गई थी। बाद में मां ने गांव के ही एक युवक और उसके तीन पुत्रों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने चारों को हिरासत में ले लिया है।

उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल गांव निवासी अवधेश कुमार यादव अपनी ससुराल कटियाही गांव में परिवार सहित रहते हैं। रविवार सुबह उनकी बेटी मधु (11) और बेटा सचिन (9) गांव के तालाब की ओर गए थे। कुछ देर बाद दोनों के शव तालाब के बाहर पड़े होने की सूचना मिली। परिजनों का आरोप है कि गांव के जगदीश कुमार कहार और उनके पुत्र संतोष कुमार, कल्लू व ननकू ने बच्चों की पिटाई करने के बाद दोनों को तालाब में फेंक दिया। मौत होने के बाद शव बाहर निकालकर आरोपी मौके से फरार हो गए। अवधेश का दावा है कि चचेरे साला शिवमंगल ने आरोपियों को बच्चों को मारते और तालाब में फेंकते हुए देखा था।

उधर, बताया जा रहा है कि आरोपियों को ले जाने के दौरान ग्रामीणों पुलिस की गाड़ी पर पत्थर फेंके। बवाल को देखते हुए गंगापार के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मांग थी कि जगदीश कुमार कहार व उनके पुत्र संतोष कुमार, कल्लू, ननकू को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही तालाब को पटवाया जाए।

बाद में पुलिस ने अवधेश यादव की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सभी को हिरासत में ले लिया। क्षेत्र की विधायक गीता पासी, पूर्व विधायक विजय यादव आदि लोगों के समझाने व आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद परिजनों ने शव को उठने दिया। थरवई थाना प्रभारी संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बेसमेंट में चल रहे तीन कोचिंग संस्थान सील, फायर सुरक्षा में मिलीं खामियां

प्रयागराज। स्वीकृत मानचित्र के विपरीत संचालन और अग्निशमन सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) व अग्निशमन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में रविवार को शहर के तीन कोचिंग संस्थाओं को सील कर दिया गया। अग्निशमन विभाग ने भी फायर सेफ्टी संबंधी खामियां पाए जाने पर संचालकों को नोटिस जारी किया है। कटरा और हाशिमपुर रोड स्थित कुछ कोचिंग संस्थानों में बेसमेंट में कक्षाएं संचालित करने की पीडीए को शिकायत मिली थी। इनमें पार्किंग व अग्निशमन की समुचित व्यवस्था भी नहीं थी। सड़कों पर वाहनों की भीड़ लगने से जाम की समस्या बनी रहती है। इन संस्थानों में टीईटी, पीजीटी–टीजीटी, यूपीएसएसएससी, रेलवे, यूपी पुलिस, एसएससी, बैंक, लेखपाल समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। शिकायत पर रविवार सुबह पीडीए, अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि संबंधित संस्थानों में बेसमेंट में कक्षाएं संचालित की जा रहीं हैं। इसके बाद तीनों संस्थानों को सील कर दिया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान तीनों कोचिंग संस्थानों में खामियों पाए जाने पर पीडीए ने उन्हें सील कर दिया है। डीएम ने भी पिछले दिनों सिविल लाइंस के एक होटल में आग लगने के बाद सभी बहुमंजिला इमारतों की जांच के आदेश दिए थे। इस कार्रवाई को उसी आदेश के क्रम में देखा जा रहा है। मौके पर पर्याप्त अग्निशमन उपकरण नहीं मिले। सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर कोचिंग संचालकों को नोटिस जारी किया गया है।

सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की गंगापार इकाई घोषित

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की गंगापार इकाई के अध्यक्ष पिंटू वर्मा ने रविवार को जिला इकाई का गठन किया है। नई कार्यकारिणी में हंडिया विधानसभा का अध्यक्ष मनीष कुमार, प्रताप पुर विधानसभा का अध्यक्ष सुरेन्द्र वर्मा, फूलपुर का अध्यक्ष सुभाष चन्द्रा, सोराव का अध्यक्ष आशीष वर्मा एवं फाफामऊ का अध्यक्ष अजीत गौतम को मनोनीत किया गया है। इस मौके पर एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, संगम लाल मौर्य, खिन्नी लाल पासी, विजय कुमार यादव आदि सहित अन्य मौजूद रहे।

नई टाउनशिप में सिर्फ प्लाट बेचकर पीडीए कमाएगा 1500 करोड़

प्रयागराज। एयरपोर्ट के पास 100 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रस्तावित नई टाउनशिप एयरोसिटी में सिर्फ प्लॉट बेचकर पीडीए 1500 करोड़ रुपये कमा लेगा। यही वजह है कि पीडीए को 300 करोड़ रुपये का लोन देने के लिए छह बैंक सामने आए हैं। पीडीए की ओर से प्रयागराज एयरपोर्ट के आसपास 100 हेक्टेयर जमीन पर नई टाउनशिप बसाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। इस टाउनशिप को बसाने में मूलभूत सुविधाओं पर 417 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पीडीए 300 करोड़ रुपये बैंक से लोन लेगा। लेकिन पीडीए के लिए यह फायदे का सौदा होगा।

पीडीए के सूत्रों के अनुसार बैंक से लोन लेने से पहले आकलन किया गया है। अगर 30 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से भी नई टाउनशिप में 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्लॉट की बिक्री की जाती है तो इससे 1500 करोड़ रुपये की आय होगी। बैंक का पूरा लोन वापस करने के बाद ही एक हजार करोड़ से ऊपर का मुनाफा होगा। पीडीए की ओर से सरकार को भेजे गए प्रस्ताव में बताया गया है कि एयरोसिटी में अनुमानित 417 करोड़ रुपये का अवसंरचना निवेश होगा। यह टाउनशिप शहरी विस्तार को सक्षम बनाएगी और मौजूदा शहर में भीड़भाड़ कम करेगी। प्रयागराज हवाईअड्डे से इसकी निकटता हवाईअड्डे के नेतृत्व वाले आर्थिक केंद्र के विकास में सहायक होगी। एक ग्रीनफील्ड परियोजना होने के नाते यह सतत अवसंरचना, स्मार्ट मोबिलिटी और कुशल भूमि उपयोग योजना को एकीकृत करेगी। यह परियोजना कुंभ मेले जैसे आयोजनों की क्षमता बढ़ाएगी। रोजगार सृजित करेगी और प्रयागराज को एक सुनियोजित, लचीले और निवेश के लिए तैयार शहरी केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

प्रयागराज में अनियोजित विस्तार और बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी व्यवस्था पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। लगभग 30 वर्षों से किसी बड़े नियोजित शहर के निर्माण के अभाव में भीड़भाड़, भूमि का अक्षम उपयोग और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। सड़कें, जल निकासी और परिवहन नेटवर्क जैसी मूलभूत सेवाएं अत्यधिक दबाव में हैं। एकीकृत विकास के अभाव के कारण प्रयागराज एयरपोर्ट की आर्थिक क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। विकसित भूमि और मुख्य बुनियादी ढांचे की कमी निजी निवेश और संगठित शहरी विकास को सीमित करती है।

मुंबई में डांसर–हीरोइन बनने निकलीं तीन किशोरियां नैनी और छिवकी स्टेशन पर मिलीं

प्रयागराज। घर से परिजनों को बिना बताए भागी तीन किशोरियों को रविवार को छिवकी व नैनी स्टेशन से पकड़ लिया गया। तीनों किशोरियां मुंबई में डांसर और हीरोइन बनने के लिए घर से भागकर मुंबई जाने की तैयारी में थी। किशोरियों में दो नैनी और एक कानपुर देहात की रहने वाली है। आरपीएफ व नैनी पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजन लिखा पढ़ी कर उन्हें अपने साथ ले गए। अरैल में रहने वाली एक ही परिवार की 14 और 15 वर्षीय दो किशोरियां शनिवार को बिना बताए घर से निकल गईं। रविवार को नैनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन में वह किसी ट्रेन का इंतजार कर रही थी। तभी आरपीएफ नैनी में तैनात उप निरीक्षक वीके तिवारी, कांस्टेबल अवधेश कुमार व कमर्शियल स्टाफ तरुण की उनपर नजर पड़ी।

दोनों किशोरियों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि वह घर से भागकर आई हैं। वह किसी महिला डांसर की फैन है और उन्हीं से मिलने के लिए मुम्बई जा रही हैं। उनके पास मिले मोबाइल फोन पर उसकी कई वीडियो भी मिली। साथ ही किशोरियों ने भी अपने डांस की वीडियो मोबाइल पर रखा था। इसके बाद दोनों किशोरियों को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट नैनी पर लाया गया जहां महिला कांस्टेबल अंजली देवी की निगरानी में रखा गया। सूचना पर चाइल्ड लाइन से सुपरवाइजर राजेंद्र कुमार गुप्ता व केस वर्कर तान्या पाल पहुंचीं और उनके परिजनों की मौजूदगी में उन्हें लिखापढ़ी कर सुपुर्द कर दिया गया।

वहीं, कानपुर देहात के मंगलपुर थाना क्षेत्र के जसापुर की रहने वाली 14 साल किशोरी बीते 27 मई को बिना किसी को बताए अपने घर से भाग गई थी। वह घर से अभिनेत्री बनने के लिए निकली थी। रविवार को वह छिवकी स्टेशन पर मुंबई जाने के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंची थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रविवार को उसकी लोकेशन छिवकी स्टेशन पर मिली तो कानपुर पुलिस ने नैनी पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद छिवकी चौकी इंचार्ज मनोज सिंह ने किशोरी को पकड़ कर उसे नैनी थाने ले गए। सूचना पर पहुंची कानपुर पुलिस व परिजन उसे अपने साथ ले गए।

बीएड प्रवेश परीक्षा में विज्ञान और करंट अफेयर्स के सवालों ने बढ़ाई चुनौती

प्रयागराज। जनपद के 61 केंद्रों पर दो पालियों में बीएड परीक्षा आयोजित की गई। रविवार को सीएवी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र के बाहर अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को न तो बहुत आसान और न ही कठिन बताया। हालांकि, विज्ञान और करंट अफेयर्स से जुड़े कुछ प्रश्नों ने परीक्षार्थियों की परीक्षा जरूर ली। अभ्यर्थियों ने बताया कि अधिकांश प्रश्न पाठ्यक्रम के अनुरूप थे। कौशाम्बी की नेहा कुशवाहा ने कहा कि विज्ञान और करंट अफेयर्स के कुछ प्रश्नों में कठिनाई महसूस हुई जबकि अन्य प्रश्न अपेक्षाकृत आसान रहे। फतेहपुर की शालिनी यादव ने प्रश्नपत्र को मध्यम

स्तर का बताते हुए कहा कि कुछ प्रश्न सामान्य ज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर आधारित थे। उन्होंने बताया कि लोकसभा और राज्यसभा में से कौन–सा सदन स्थायी सदन है जैसे प्रश्न पूछे गए। प्रयागराज की खुशबू सिंह ने कहा कि प्रश्नपत्र संतुलित रहा और सभी प्रश्न हल करने योग्य रहे। उनके अनुसार विज्ञान और करंट अफेयर्स के कुछ प्रश्न चुनौतीपूर्ण रहे लेकिन कुल मिलाकर परीक्षा का स्तर सामान्य रहा। अब परिणाम का इंतजार है।

जनपद के 61 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा के दौरान 90.35 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। परीक्षा के लिए कुल 23,588 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इसमें पहली पाली में 21,285 और दूसरी पाली में 21,312 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। साथ ही जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, नोडल समन्वयक प्रो. विवेक कुमार सिंह और जनपद नोडल समन्वयक विवेक कनौजिया ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इसके बाद सीसीटीवी कंट्रोल रूप में कैमरों के माध्यम से मॉनिटरिंग को भी देखा। प्रतापगढ़ में 92.63 प्रतिशत, फतेहपुर में 92.27 प्रतिशत और कौशाम्बी में 88.33 प्रतिशत उपस्थित रहे।

डॉ. सीमा वर्णिका को मिला 'आदिकवि भानुभक्त आचार्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान–2026'

काठमांडू। नेपाल में आयोजित त्रिदिवसीय (29 मई से 31 मई तक) नेपाल भारत साहित्य महोत्सव में दो कृतियों ष्अनुवादित अंतर्ध्वनि गीत संग्रहष् तथा लफ़्ज़ दर लफ़्ज़ ग़ज़ल संग्रह का लोकार्पण नेपाल के पूर्व प्रधान मंत्री झलनाथ खनाल के कर

कमलों से समारोह के उद्घाटन सत्र में किया गया तथा भारत से आमंत्रित डॉ.सीमा वर्णिका को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों तथा सतत साहित्य साधना के लिए 'आदिकवि भानुभक्त आचार्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मान–2026' से सम्मानित किया गया।

इस दौरान नेपाल भारत मैत्री संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र मोहन झा, साहित्य क्रान्तिधरा अकादमी, भारत के अध्यक्ष पूनम पंडित, हिन्दी अकादमी नेपाल के अध्यक्ष डॉ विजय पंडित सहित नेपाल और भारत के भिन्न प्रान्तों से साहित्यकार मौजूद थे।

21 जून के लिए हम हैं तैयार

प्रतापगढ़। पतंजलि योग समिति प्रतापगढ़ की बैठक मे पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्त्ता बंधुओ ने 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य बनाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की। मुख्य वक्ता पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी आदरणीय दुर्गेश योगी जी ने कार्यकर्त्ता बंधुओ को सम्बोधित करते हुए सभी से एकजुट होने का आवाहन किया। श्री दुर्गेश योगी जी ने पदाधिकारी गण को कंपनी गार्डन मे 2 जून से 20 जून तक

प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर संचालित करने का निर्देश देते हुए उक्त प्रशिक्षण शिविर मे सभी नये –पुराने योगी साधक/साधिका गण को सम्मिलित करने पर विशेष बल दिया।

बैठक की अध्यक्षता पतंजलि योग समिति प्रभारी गोविंद जी, संचालन भारत स्वाभिमान प्रभारी श्री भूपेंद्र जी ने किया। बैठक मे प्रशिक्षण शिविर एवं 21 जून के विराट कार्यक्रम के लिए कार्य का समुचित विभाजन भी किया गया। इस दौरान गौरव शाली पूर्व सैनिक संगठन से कैप्टन प्रमोद जी, पतंजलि परिवार से पुष्प राज जी,यजुवेन्द्र जी, चंद्र मणि जी, धर्मेंद्र जी, दीपक जी रानीगंज, नन्दलाल जी, विकास जी नौबस्ता लालगंज, इंद्रभान जी आदि उपस्थित रहे।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की मई माह की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की मई माह की काव्य गोष्ठी रंजना बिनानी काव्या

की अध्यक्षता में ऑनलाइन व्हाट्सएप द्वारा धूमधाम से संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विमला काबरा एवं विशिष्ट अतिथि ऊषा बिनानी रही। सर्वप्रथम मां शारदे की मूर्ति स्थापना ,माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन शाखा अध्यक्ष रंजन बिनानी जी द्वारा किया गया, तत्पश्चात मां शारदे की वंदना सीमा सिंधी जी द्वारा प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुभ शुरुआत की गई। सभी ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियां देकर आज की काव्य गोष्ठी में चार चांद लगा दिए।

प्रस्तुति देने वाली....बहने.. , सरला बजाज, , , रंजना बिनानी, पूनम अग्रवाल, भगवती बिहानी,एवं सीमा सिंधी जी रही

कार्यक्रम संयोजक सरला बजाज जी द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी काव्या द्वारा धन्यवाद ज्ञापन द्वारा इस काव्य गोष्ठी का समापन किया गया।

4 संविदाकर्मियों ने की आत्मदाह की कोशिश

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में वीआईपी इलाका माने जाने वाले गोल्फ क्लब चौराहे पर सोमवार को चार लोगों ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने यहां एक बयान में बताया कि औरैया के रहने वाले मुकेश सैनी, कानपुर के रहने वाले नितिन श्रीवास्तव, और गोंडा के रहने वाले ज्ञानेंद्र रावत और अभिषेक सिंह ने पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 40 मिनट पर गोल्फ क्लब चौराहे पर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने की कोशिश की लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें ऐसा करने से रोक लिया।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का प्रांतीय सम्मेलन बर्फानी आश्रम अमरकंटक में संपन्न

पत्रकारिता दिवस समारोह में शामिल पत्रकारों–साहित्यकारों को किया गया सम्मानित

रीवां/प्रयागराज। हिन्दी पत्रिकारिता दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ मध्य प्रदेश इकाई द्वारा श्री बर्फानी आश्रम सभागार अमरकंटक में एक दिवसीय सम्मेलन प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता और राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के विशिष्ट आतिथ्य एवं बर्फानी आश्रम के स्वामी पीठाधीश्वर पूज्य संत महामण्डलेश्वर आचार्य लक्ष्मणदास बालयोगी महाराज के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

सम्मेलन में पत्रकार महासंघ के स्थापना दिवस 15 जुलाई को भोपाल मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए जाने के साथ ही कई निर्णय लिए गए। घनश्याम दास खरे राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य को पत्रकार कल्याण प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रभारी घोषित किया गया। सम्मेलन में स्वामी कल्पनेश की पुस्तक 'कल्पनेश की काव्य गंगा', काव्य संग्रह एवं आनंद नारायण पाठक अभिनव की 'सपनों की उड़ान' दो पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि पत्रकार महासंघ द्वारा समय–समय पर सम्मेलन संगोष्ठियों एवं बैठकों के माध्यम से पत्रकारों की समस्याओं, छोटे मझौले समाचार पत्रों के प्रकाशन पर होने वाली विभिन्न तरह की समस्याओं के संबंध में प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों को समय–समय पर भेजे जाते हैं, लेकिन पत्रकारों की समस्याओं पर सरकारें गंभीरता के साथ विचार नहीं करती, जिसके कारण पत्रकारों को समाचारों के लेखन के साथ ही समाचार पत्रों के प्रशासन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पत्रकारों के अधिमान्यता के लिए समितियों का गठन लगातार होते रहना चाहिए लेकिन यहां समितियां भंग करने के बाद दूसरी बार शीघ्र गठित नहीं की जाती जिससे पत्रकारों की अधिमान्यताएं नहीं हो पाती। मध्य प्रदेश में तात्कालिक मुख्यमंत्री ने 70 वर्ष से ऊपर के पत्रकारों को सम्मान निधि दिए जाने की घोषणा की थी लेकिन जनसंपर्क विभाग द्वारा लगातार यह कहकर की जिन

पत्रकारों की अधिमान्यता 10 वर्ष पूर्ण नहीं हुई है वह पत्रकार भले ही 70 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं लेकिन उनका सम्मान निधि दिए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। सरकारों ने पत्रकारों के लिए सुरक्षा कानून बनाने की बातें समय–समय पर कही लेकिन आज तक सुरक्षा कानून नहीं बनाया गया।

पत्रकारों की यात्राओं में छूट दी जाती थी लेकिन कोरोना काल के दौरान में उस सुविधा को बंद किया गया था जिसे आज तक शुरू नहीं किया गया। पत्रकारों की मांग है की यात्रा में दी जाने वाली छूट को तत्काल लागू किया जावे। सम्मेलन में द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि स्वामी शिव गिरी जी महाराज रहे।

सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ काफी तेजी के साथ विस्तारित हो रहा है। यहां ब्लॉक ,तहसील, जिला स्तर पर काम करने वाले पत्रकार साथी समय–समय पर स्थानीय पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं के लिए लगातार संघर्ष करते हैं ।पत्रकार महासंघ के 27 वें वर्षगांठ के अवसर पर भोपाल मध्य प्रदेश में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन को बड़े ही भव्यता के साथ संपन्न कराया जाएगा , जिसमें मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट में शामिल होने वाले मंत्रियों को भी चर्चा में भाग लेने के लिए प्रयास किया जावेगा।

अमरकंटक में होने वाले इस सम्मेलन की सफलता के लिए हमारे सभी साथी बहुत बधाई के पात्र हैं। तमाम जिलों के जिला अध्यक्ष एवं संभागीय अध्यक्ष व प्रांतीय इकाई के हमारे सम्मानित पदाधिकारी इस सम्मेलन में भाग लेकर सम्मेलन की सफलता को काफी ऊंचाई पर पहुंचाया है।

पत्रकार महासंघ हमेशा अपने सभी साथियों से यही अपेक्षा करता है कि आप सब पत्रकारों की समस्याओं के लिए इसी तरह तत्परता के साथ संघर्ष करते रहेंगे। सम्मेलन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधीर सिंह राठौर ,राष्ट्रीय देश दर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रदीप सिंह, साहित्य प्रकोष्ठ के प्रभारी रामलखन चौरसिया वागीश ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन सचिव चुन्नू कुशवाहा, मध्य प्रदेश के प्रांतीय कोषाध्यक्ष नवीन कुमार तिवारी, प्रांतीय मुख्य महासचिव वीरेन्द्र मिश्रा, प्रांतीय प्रवक्ता दिलीप त्रिपाठी, प्रांतीय सचिव डॉ मनोज पाठक, रीवा संभाग के संभागीय अध्यक्ष प्रभुनाथ पांडेय, महिला विंग की संभागीय अध्यक्ष संगीता पटेल, मैहर जिला अध्यक्ष जी एल चौरसिया, सीहोर जिलाअध्यक्ष अजय पेरवाल, अशोक सोनी, रामपुर बाघेलान ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर तिवारी, शशि सिंह तिवारी, अनुराग सिंह तिवारी, भारत लाल पटेल, विजय पान्डेय ,नितेश तिवारी, प्रमोद तिवारी, हरिओम पान्डेय ,मोहम्मद वसीम, हरिशंकर श्रीवास्तव प्रयागराज, रीवा ब्लॉक अध्यक्ष बाल गोविंद द्विवेदी, पत्रकार श्रवण कुमार उपाध्याय, धनंजय तिवारी अमरकंटक, विपुल बारिया जितेंद्र सितोले सुशील परमार, प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र सतवानी, राजकुमार बजाज, पंकज पान्डेय ,अमित पटेल, अमरीश पटेल, ज्ञानवती द्विवेदी, रश्मि विश्वकर्मा, रामकुमार रजक ,मोहम्मद मिराज सहित छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष हेमंत कुमार और उनकी टीम के साथ सैकड़ो की संख्या में पत्रकार महासंघ के पदाधिकारी सम्मिलित रहे। सम्मेलन में वरिष्ठ साहित्यकारों एवं पत्रकारों को विशिष्ट सम्मान पत्र, साल श्रीफल, अंगवस्त्रम उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय मुख्य महासचिव वीरेन्द्र मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में राममणी शुक्ला जी द्वारा विशेष सहयोग किया गया।

बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी के चतुर्थ जन्मोत्सव पर आज सजेगी काव्य गोष्ठी

बेजुबानों के लिए 'पेट पूजन' का भी विशेष प्रबंध

प्रतापगढ़। नगर से सटे पूरे ईश्वर नाथ में बाल कवयित्री सानवी त्रिपाठी के चतुर्थ जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आज शाम 4.30 बजे से एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस गरिमामयी आयोजन में क्षेत्र के कई गणमान्य साहित्यकार और प्रबुद्ध जन जुटेंगे।

अपनी विलक्षण प्रतिभा के धनी सानवी त्रिपाठी ने इतनी कम उम्र में ही गाजियाबाद एवं ब्रजभाषा काव्य मंच (आगरा) जैसे प्रतिष्ठित और बड़े काव्य मंचों पर अपनी धमाकेदार काव्य प्रस्तुति देकर जनपद का गौरव बढ़ाया है। सानवी में श्होनहार बिरवान के होत चीकने पातश का लक्षण मात्र दो वर्ष की आयु से ही दिखाई पड़ने लगा था। उनके द्वारा रचित ष्मेरी प्यारी दादी हैष नामक कविता उनकी स्वयं की गढ़ी हुई एक बेहद लोकप्रिय रचना है।

साहित्य और कला सानवी को विरासत में मिली है। अपने दादा प्रेम कुमार त्रिपाठी तथा बुआ ज्योति की साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए सानवी पूरी

तरह से उद्यत एवं बेताब हैं।

सानवी की एक विशेषता यह भी है कि उन्हें बेजुबान जानवरों से विशेष स्नेह है। इसी संवेदनशीलता को देखते हुए, उनके चतुर्थ जन्मदिन के इस शुभ अवसर पर बेजुबान जानवरों के लिए विशेष रूप से श्पेट पूजनश (भोजन) का इंतजाम भी किया गया है।

जनपद के वरिष्ठ कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जन्मोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और यह शाम साहित्य, संवेदना और आत्मीयता के अनूठे संगम की गवाह बनेगी।

5 जून को भयहरणनाथ धाम में 'पर्यावरण एवं सीमांकन दिवस'

नायब तहसीलदारः देवता की भूमि से कोई समझौता नहीं, पत्थर गाड़े जाएंगे

प्रतापगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, गुरुवार को पांडवकालीन बाबा भयहरणनाथ धाम में गत वर्षों की भांति इस वर्ष के वृहद पौधरोपण अभियान की शुरूआत होगी। इसी दिन राजस्व विभाग द्वारा धाम की सार्वजनिक भूमि का सीमांकन कर स्थायी पत्थर भी गाड़े जाएंगे। गत 15 मार्च से भयहरणनाथ धाम का समाज सामूहिक सत्याग्रह कर धाम को कब्जा मुक्ति हेतु रचनात्मक अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि नायब तहसीलदार सदर दिनेश चंद्र तिवारी जी ने पुनः आश्वस्त किया है कि 5 जून को पौधे रोपित कर धाम की प्राचीन प्राकृतिक आभा वापस लाई जाएगी और सीमांकन पत्थर भी गाड़े जाएंगे।श्री तिवारी ने स्पष्ट कहा, ष्देवता की भूमि के साथ कोई समझौता नहीं होगा। 5 जून को भयहरणनाथ धाम में पर्यावरण एवं सीमांकन दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

समाज शेखर ने बताया कि गत वर्षो की भाँति नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह, वन विभाग एवं स्थानीय संगठनों के सहयोग से सफाई व पौधरोपण होगा। मंदिर प्रबंध समिति, मेला समिति व भक्तजन बड़ी संख्या में सहयोग करेंगे।

बिखरी बिखरी धूप

सूरज उगले आग चंद्रमा सहमें–सहमें।
आँधी पानी धूल गा रहे अपने नगमें।
मौसम बदले रंग नदी सर्पीली दिखतीं।
पत्थर बनते गाँव कहानी सड़के लिखतीं।
हँसकर कहा विकास ने लालच का परिणाम है।
समझ सको तो लो समझ वरना काम तमाम है।।

हरियाली की कली कहानी बनकर कहती।
बिखरी–बिखरी धूप छाँव बिन व्याकुल दिखती।
मौसम का बदलाव तेज हो आँधी– पानी।
खोली दुख का द्वार बतातीं सबकी नानी।
तपा–तपा कर नौतपा धरती को सोना बना।
भरती घर–संसार में मधुर हँसी का बचपना।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

संक्षिप्त

सेमेस्टर रिजल्ट में खामियों को लेकर एलयू में एलएलबी छात्रों का हंगामा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू के एलएलबी फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स ने कैंपस में प्रशासनिक भवन का घेराव किया। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के बाहर सेमेस्टर रिजल्ट में खामियों को लेकर नारेबाजी की। छात्रों का कहना है कि जितना लिखा था उससे काफी कम नंबर मिले हैं। कॉपी को सही से चेक नहीं किया गया है। पोर्टल पर रिजल्ट बार–बार बदल रहा है। परीक्षा नियंत्रक को इस विषय पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। जो भी गड़बड़ी कर रहे उनके खिलाफ एक्शन भी लेना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने स्टूडेंट्स को किसी तरह शांत कराया। इसके बाद कुलपति के नाम का ज्ञापन लेकर उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। ज्ञापन में छात्रों ने कहा है कि रिजल्ट घोषित होने के बाद से वे लगातार अपनी समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से संपर्क कर रहे हैं। उनका कहना है कि 20 मई को हुए विरोध ा प्रदर्शन के दौरान प्रशासन ने चार दिनों में समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा या ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। छात्रों ने मांग की है कि जिन विद्यार्थियों को अपने रिजल्ट पर शक है, उनकी आंसर कॉपी की स्क्रूटनी और री–चेकिंग पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जाए। साथ ही जिन छात्रों के परिणाम में त्रुटियां पाई जाएं, उनके अंक संशोधित कर दोबारा परिणाम जारी किया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि संशोधित परिणाम जारी होने के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रावधानों के अनुरूप पात्र छात्रों को द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का फॉर्म भरने का एक और अवसर दिया जाए, ताकि किसी भी छात्र का शैक्षणिक वर्ष प्रभावित न हो। छात्रों ने आगामी सेमेस्टरों से 70.30 (एक्सटर्नल,इंटरनल) अंक योजना लागू करने की मांग भी उठाई है।

ज्वेलरी की दुकान में लगी आग, शॉर्ट सर्किट से लाखों का सामान जलकर राख

लखनऊ (संवाददाता)। सैरपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह एक ज्वेलरी दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखे एसी, सीसीटीवी कैमरा, डमी ज्वेलरी समेत लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना छठा मील रैथा रोड चौराहे के पास स्थित पूजा ज्वेलर्स में हुई। सुबह अचानक दुकान से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। दुकान के कर्मचारी राजू सोनी ने बताया कि रात में दुकान बंद करने के बाद वे घर चले गए थे। सुबह पड़ोसियों ने फोन करके उन्हें घटना की जानकारी दी। राजू सोनी ने यह भी बताया कि दुकान के मालिक विकास सोनी किसी काम से शहर से बाहर गए हुए हैं। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की वजह से दुकान के अंदर रखा अधिकांश सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया।

गंदे पानी की आपूर्ति से परेशान लोगों का नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। मानक नगर क्षेत्र स्थित रामनगर कॉलोनी में गंदे पानी की आपूर्ति से परेशान लोगों के सब्र का बांध टूट गया। गुस्साए लोगों ने सोमवार को लखनऊ–कानपुर रोड जाम कर दिया। कानपुर से आने वाली लेन पर अवध चौराहा से लेकर इंडियन बैंक के सामने तक जोरदार प्रदर्शन किया। घरों से बोतलों में गंदा पानी भरकर पहुंचे लोगों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में ना तो बिजली मिल रही है और न ही पीने के लिए साफ पानी मिल रहा है। कई बार शिकायत के बावजूद अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मौके पर पहुंचे नगर निगम के अधिकारियों ने समस्या का समाधान करने का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन के कारण कानपुर की ओर से आने वालो वाहनों को नटकुर खेड़ा से डायवर्ट करना पड़ा। बावजूद इसके करीब 1 किलोमीटर तक वाहनों खासकर रोडवेज बसों की लंबी कतार लग गई। यह प्रदर्शन अवध चौराहा से लेकर इंडियन बैंक के सामने तक किया गया। बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर जमा होने से यातायात व्यवस्था बाधित हुई। काफी देर तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने गंदे पानी के कारण बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जलापूर्ति लाइनों की तत्काल जांच कर खराबी को दूर किया जाए और क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि नगर निगम का कोई भी अधिकारी उनके घर आकर एक गिलास पानी पीकर दिखाए। सूचना मिलने पर नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और क्षेत्रवासियों को समझा–बुझाकर शांत कराया।

सम्पादकीय.....

कांग्रेस के लिए सिद्धारमैया को नजरअंदाज करना मुश्किल

सिद्धारमैया, जो कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं, ने इस्तीफा दे दिया और अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी डी.के. शिवकुमार के लिए रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान को पार्टी के भीतर सिद्धारमैया के वफादारों को विश्वास में लेना होगा। इसमें उन्हें कैबिनेट में जगह देना और राज्य कांग्रेस इकाई में नेतृत्व के पद प्रदान करना शामिल हो सकता है। सिद्धारमैया एक जमीनी स्तर के नेता हैं, जिन्हें महत्वपूर्ण स्थानीय समर्थन प्राप्त है। ओ.बी.सी. के बीच उनके समर्थन आधार को नजरअंदाज करना मुश्किल है। पिछले 2 दशकों में कांग्रेस में आने के बाद से, सिद्धारमैया कांग्रेस के 'अहिंदा' सामाजिक गठबंधन के वास्तुकारों में से एक रहे हैं, जो अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों को एक साथ लाए और कर्नाटक में कांग्रेस के चुनावी गणित को आकार देने में सहायक रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें राज्यसभा सीट की पेशकश की और उन्हें एक राष्ट्रीय भूमिका दी थी। यह कदम एक तीर से दो निशाने साधने जैसा था। पहला, राहुल गांधी के सामाजिक न्याय अभियान को बढ़ावा देने के लिए सिद्धारमैया जैसे ओ.बी.सी. नेता को राष्ट्रीय स्तर पर लाना। दूसरा, सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच टकराव को चतुराई से टालना। लेकिन सिद्धारमैया ने इस प्रस्ताव को लेने से इंकार कर दिया और घोषणा की कि वह राज्य में सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और अपनी अंतिम सांस तक सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लडने की कसम खाई। निकट भविष्य में चाहे कुछ भी हो, सिद्धारमैया 2028 में कांग्रेस की फिर से चुनाव जीतने की कोशिश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। सी.बी.एस.ई. ऑन–स्क्रीन मार्किंग विवाद को लेकर राहुल गांधी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच जुबानी जंग जारी रही और इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सी.बी.एस.ई. परीक्षा और ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओ.एस.एम.) मुद्दे पर अपनी टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कड़ा जवाब दिया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार चुनावी हार के कारण निराश दिख रहे हैं और भारत की वैज्ञानिक प्रगति के साथ नहीं खड़े हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विवाद के कारण छात्र अतिरिक्त तनाव का सामना न करें। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सी.बी.एस.ई. परिणाम को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ाते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को परवाह होती, तो उन्होंने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर दिया होता। सी.बी.एस.ई. ओ.एस.एम. मुद्दे पर अपने सवालों को दोहराते हुए, गांधी ने पूछा कि सी.ओ.ई.एम. पी.टी. को अनुबंध क्यों दिया गया, जबकि कंपनी पहले भी किसी अन्य नाम से विवादों में रही थी। भाजपा ने तीन राज्यों के साथ–साथ केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के लिए नए राज्य इकाई अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की, जिनमें त्रिपुरा, हरियाणा और पंजाब शामिल हैं। ये नियुक्तियां ऐसे समय में हुई हैं, जब भाजपा विभिन्न राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी समीकरणों वाले राज्यों में पार्टी के राज्य नेतृत्व ढांचे को मजबूत करने और अपनी संगठनात्मक मशीनरी को तेज करने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। हर्ष मल्होत्रा को भाजपा की दिल्ली इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि केवल सिंह ढिल्लों पंजाब में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। हरियाणा में पार्टी ने डा. अर्चना गुप्ता को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अभिषेक देबरॉय को भाजपा की त्रिपुरा राज्य इकाई का अध्यक्ष नामित किया गया है। इस बीच, दिल्ली भाजपा के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बनी हुई है, क्योंकि हाल के चुनावी मुकाबलों ने केसरिया पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को तेज कर दिया है, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने यह प्रमुख निर्णय पंजाब में एक सिख चेहरा पेश करने की रणनीतिक चाल के हिस्से के रूप में लिया है, जिसमें 2027 के विधानसभा चुनावों पर जोर दिया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में हालिया चुनावी हार ने तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) में एक डोमिनो प्रभाव पैदा कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप नए इस्तीफे हुए हैं।

नहीं रहे उर्दू शायरी का परचम बुलंद करने वाले डा. बशीर बद्र

प्रफुल्ल चंद्र नागपाल

मेरे परम मित्र, उर्दू के विद्वान सेवानिवृत्त एस.डी.एम. महरूम जनाब बी.एल. सिक्का साहब ने वर्ष 1988 में फाजिल्का में एस.डी.एम. रहते हुए एक अंतर्राष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन करवाया था। इस मुशायरे में देश के महान शायरों ने भाग लिया था। मुझे याद है कि उस समय भी डा. बशीर बद्र ने मुशायरा लूट लिया था। सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा, इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है, जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा। मैं खुदा का नाम ले कर पी रहा हूं दोस्तो, जहर भी इसमें अगर होगा दवा हो जाएगा। उनका जन्म 15 फरवरी, 1935 को फैजाबाद (अब अयोध्या) उत्तर प्रदेश में हुआ था। अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कला में स्नातक की डिग्री पास की। मास्टर ऑफ आर्ट्स और पीएच.डी. करने के बाद उन्होंने इसी विश्वविद्यालय में व्याख्याता के रूप में कार्य किया। उन्होंने 17 वर्षों तक मेरठ के कॉलेज में भी सेवा की। बशीर बद्र (जन्म सैयद मुहम्मद बशीर) ने 7 साल की उम्र में कविताएं लिखना शुरू कर दिया था। उन्होंने इकई, कुल्लियते बशीर बद्र, आमद, छवि, आहट और देवनागरी लिपि की गजलों का शीर्षक 'उजाले अपनी यादों के' नाम से गजलों का संग्रह लिखा। अपने करियर के दौरान उन्होंने 2 किताबें, जिनका शीर्षक था आजादी के बाद उर्दू गजलों का तनकिदी मुताला (स्वतंत्रता के बाद उर्दू गजल का आलोचनात्मक अध्ययन) और '20वीं शताब्दी में गजलें जो साहित्यिक आलोचना पर केंद्रित थीं, लिखीं। मुखालिफत (विरोध) से मेरी शख्सियत संवरती है, मैं दुश्मनों का बड़ा एहतराम (सम्मान) करता हूं। मुझे खुदा ने मुझे गजल का दयार बख्शा है, मैं यह सल्तनत मोहब्बत के नाम करता हूं। उन्होंने अध्यक्ष के रूप में बिहार उर्दू अकादमी में भी काम किया है। खुद अपने बारे में डा. बशीर बद्र कहते हैं, ''मैं गजल का आदमी हूं, गजल से मेरा जन्म–जन्म का साथ है। गजल का फन मेरा फन है, गजल का तजुर्बा मेरा तजुर्बा है। मैं कौन हूं? मेरी तारीफ ड्क्षहदुस्तान की तारीफ के आस पास है।'' बशीर साहब जब मेरठ में पढ़ा रहे थे तो उस दौरान वहां साम्प्रदायिक दंगे भड़के और दंगाइयों ने उनका घर जला डाला, घर के साथ ही उनकी लाइब्रेरी भी जला दी गई। उन्होंनेअपनी टीस इस तरह व्यक्त की–लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में। उनकी एक गजल के शे'र जो मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत पसंद हैं और जैसे मैंने बहुत सारी महफिलों में डॉ. साहब को याद करते हुए पढ़ा भी है,जिस दिन से चला हूं मिरी मंजिल पे नजर है, आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा। ये फूल मुझे कोई विरासत में मिले हैं, तुमने मिरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा। यारों की मोहब्बत का यकीं कर लिया मैंने, फूलों में छुपाया हुआ खंजर नहीं देखा। महबूब का घर हो कि बुजुर्गों की जमीनें, जो छोड़ दिया फिर उसे मुड़ कर नहीं देखा। पत्थर मुझे कहता है मिरा चाहने वाला मैं मोम हूं उसने मुझे छू कर नहीं देखा। देखिए जिंदगी की सच्चाई को इस अजीम शायर ने किस तरह बयान किया है, कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से, ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो। जगजीत सिंह द्वारा गाई गई गजल 'न जी भर के देखा न कुछ बात की, बारी आरजू थी मुलाकात की' भी इसी महबूब शायर ने लिखी थी। क्या सितम है कि जमाने की यादों में उजाले भरने वाले इस शायर की जिन्दगी की शाम में यादों के उजाले भी इनका साथ छोड़ गए। जिंदगी के अंतिम पड़ाव में आकर यह शायर अपने ही अशआर याद नहीं कर पाया। डिमेंशिया से जूझ रहे बशीर बद्र साहब को देखकर जाने कितने ख्याल जेहन से गुजरते थे लेकिन बीमारी और डिमेंशिया के बाद भी एक बात जो महसूस होती है, वह यह कि इस शख्स ने मोहब्बत बे–इंतिहा की। बशीर बद्र की मोहब्बत महसूस करने के लिए उनकी शायरी पढना जरूरी नहीं है, कोई उनकी जिंदगी भी देख ले तो उसे एहसास होगा कि मोहब्बत को जीना क्या होता है। मुझे तुम से मोहब्बत हो गई है, ये दुनिया खूबसूरत हो गई है। खुदा से रोज तुम को मांगता हूं, मेरी चाहत इबादत हो गई है। वो चेहरा चांद है, आंखें सितारे,जमीं फूलों की जन्नत हो गई है। बहुत दिन से तुम्हें देखा नहीं है,चले भी आओ मुद्दत हो गई है।

और साथ में यह भी कहा मोहब्बतों में दिखावे की दोस्ती न मिला, अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला। बशीर के साथ एक वाक्या और है जो उनके बारे में गहराई से बताता है। उन्हें पद्मश्री मिलने वाला था मगर बशीर को उस वक्त मुल्क के बाहर चल रहे एक मुशायरे में जाना पड़ा, सम्मान लेने के लिए बशीर बद्र राष्ट्रपति के सामने हाजिर नहीं हो सके, उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुशायरे का वादा वो पहले ही कर चुके थे और उन्हें इतनी मोहब्बत से बुलाया गया था, पद्मश्री तो घर आ गया मगर उन लोगों की मोहब्बत घर कैसे आती जो उनका इतनी दूर इंतजार कर रहे थे। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जिसने यह शे'र न सुना हो। बहुत बार डा. बशीर बद्र ने इसे अपनी कई गजलों में इस्तेमाल किया, उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए। बशीर बद्र शायरी के उन पैमानों को स्थापित करते हैं जहां आसान शब्दों में गहरी बात कह दी जाती है। ऐसे शायर ही लोगों के दिलों तक का सफर कर पाते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि बशीर बद्र भी लोगों के शायर हैं, जिन्हें आम से खास हर कोई पसंद करता है। न जाने कितनी बार अपनी बात कहने के लिए बशीर साहब को संसद में भी पढ़ा जा चुका है। दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिन्दा न हों। उनका यह पैगाम भी लोगों तक पहुंचे सच सियासत से अदालत तक मसरूफ बहुत है, झूठ बोलो, झूठ में अब भी मोहब्बत बहुत है।

सात सन्दूकों में भर कर दफन कर दो नफरतें, आज इंसां को मोहब्बत की जरूरत बहुत है। गुलाबों की तरह शबनम में अपना दिल भिगोते हैं, मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग होते हैं। उर्दू की शायरी का परचम बुलंद करने वाले और उर्दू शायरी को दुनिया के कोने–कोने में पहुंचाने वाले इस महान शायर ने आज 28 मई को इस फना संसार को अलविदा कह दिया।

क्या वी.आई.पी. अपराधियों के लिए जेलें होटल बनती जा रही हैं?

रजनीश कपूर

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वह बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं। उल्लेखनीय है कि 2017 में 2 साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सैल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जहां सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही। जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इंकार किया लेकिन राम रहीम को बार–बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही। यह स्थिति जेल को उनके लिए होटल सरीखा बना देती है, जहां सजा का असर न के बराबर दिखता है। ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानूनी है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, 1 साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो सामाजिक और पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में इसका दुरुपयोग स्पष्ट दिखता है। 2020 से 2026 तक उन्हें 16 बार से ज्यादा पैरोलध्फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वह जेल से बाहर रहे। मई 2026 में मिली 30 दिन की पैरोल पर वह जेल से बाहर निकले और सिरसा डेरा पहुंचे। यह उनकी 2026 की दूसरी पैरोल थी। कथित तौर पर ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं। क्योंकि ये रिहाइयां अक्सर चुनावों, धार्मिक कार्यक्रमों या त्यौहारों के आसपास दी गईं। 2022 पंजाब, 2023 राजस्थान, 2024 हरियाणा चुनावों से पहले भी ऐसी छूट मिली। डेरे के लाखों अनुयायी एक बड़ा वोट बैंक हैं, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगते रहे। बलात्कार और हत्या के अपराधी राम रहीम की बार–बार रिहाई पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है। 2017 में सजा के बाद हुए दंगे में 40 लोगों की मौत हुई थी। गवाहों पर दबाव पडने की आशंका बनी रहती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी समेत कई संगठन इन पैरोलों की ड्क्षनदा करते हैं। आम कैदियों के लिए पैरोल मिलना मुश्किल होता है। हरियाणा के आंकड़ों के अनुसार, जेलों में हजारों कैदी हैं लेकिन सीमित संख्या को ही ऐसी छूट मिलती है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि राम रहीम को मिलने वाली लगातार रिहाइयां अन्य कैदियों में असंतोष पैदा करती हैं। गौरतलब है कि रोहतक की सुनारिया जेल सामान्य रूप से क्षमता से अधिक भरी रहती है। कैदियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिलती हैं। लेकिन राम रहीम के लिए यहां विशेष इंतजाम किए जाते रहे। आरामदायक रहन–सहन, बेहतर भोजन और लगातार बाहर जाने की छूट। यह जेल उनके लिए सजा की जगह आरामगाह बन गई है। एक तरफ तो जेल सुधार की बातें होती रहती हैं लेकिन वहीं दूसरी ओर उच्च प्रभाव वाले कैदियों को मिलने वाली सुविधाएं व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती हैं। जहां गरीब या सामान्य अपराधी सालों जेल में सड़ते हैं, वहीं प्रभावशाली व्यक्ति यहां एक लग्जरी होटल जैसी जिंदगी जीते दिखते हैं। पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य पुनर्वास है, न कि दुरुपयोग। इसलिए पुलिस प्रशासन व सरकार को इनमें पारदर्शिता लानी चाहिए। जैसे कि रिहाई के फैसले स्वतंत्र समिति से करवाए जाएं। चुनाव के समय पैरोल पर रोक लगे। सभी कैदियों के लिए समान नियम लागू हों। जेलों में सी.सी.टी.वी. और मैन्युअल निगरानी की सख्ती बढ़े। गुरमीत राम रहीम के मामले में हरियाणा सरकार को खुद पर लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और अन्य संगठनों की आलोचना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। रोहतक जेल अगर एक कैदी के लिए होटल बन जाती है, तो कानून की गरिमा कहां रह जाती है? पैरोल का प्रावधान सभी के लिए समान होना चाहिए, न कि चुड्क्षनदा प्रभावशालियों के लिए विशेषाधिकार। समाज को इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी होगी, ताकि कानून वाकई सबके लिए समान हो। राम रहीम की लगातार रिहाइयां न केवल पीड़ितों का अपमान है, बल्कि पूरे न्याय तंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। जेल सजा की जगह होनी चाहिए, न कि आराम की।

वीडी सतीशन और वंदेमातरम्

मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर एक बार फिर सियासत शुरू कर दी है। इससे पहले उन्हीं के शपथ ग्रहण समारोह में भी राष्ट्रगीत वंदेमातरम् पर काफी विवाद हुआ था। वीडी सतीशन ने गत 29 मई को तिरुवनंतपुरम में कहा कि राष्ट्रगीत वंदेमातरम् को पूरा गाना अनिवार्य नहीं है क्योंकि इस संबंध में संसद ने कोई कानून पारित नहीं किया है।

केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर एक बार फिर सियासत शुरू कर दी है। इससे पहले उन्हीं के शपथ ग्रहण समारोह में भी राष्ट्रगीत वंदेमातरम् पर काफी विवाद हुआ था। वीडी सतीशन ने गत 29 मई को तिरुवनंतपुरम में कहा कि राष्ट्रगीत वंदेमातरम् को पूरा गाना अनिवार्य नहीं है क्योंकि इस संबंध में संसद ने कोई कानून पारित नहीं किया है। अपने इस फैसले के समर्थन में वह कहते हैं कि कांग्रेस और उसका यूडीएफ गठबंधन एक राजनीतिक विचारधारा के भीतर काम करता है और वे केन्द्रीय नेतृत्व के फैसलों के अनुसार संचालित होते हैं। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने शपथ ग्रहण समारोह में सतीशन को सतर्क किया था। लगता है इससे उन्होंने कोई संदेश ग्रहण नहीं किया है। इसके साथ ही केरलम जैसे देव प्रदेश के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन को देश की जनता की भावना भी अब तक मालूम नहीं हो पाई। सतीशन जिस तुष्टीकरण की नीति को अपनाकर एक छोटे से राज्य में सरकार बनाने में सफल हो गये उसी तुष्टीकरण की नीति से महाराष्ट्र मध्य प्रदेश जैसे आधा दर्जन राज्य खो चुकी ह ।

इसके साथ ही वंदेमातरम् राष्ट्रगीत युवाओं की पसंद बन गया है और सरकार बनाने का रास्ता युवा पीढ़ी ही तय करती है। वीडी सतीशन को इन सभी बातों पर गंभीर होकर विचार करना चाहिए। केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन द्वारा अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान वंदेमातरम् के गायन के समय शुरुआत में बैठे रहने और बाद में राहुल गांधी के इशारे पर खड़े होने को लेकर एक बड़ा राजनीतिक विवाद छिड़ गया था। केरल के मुख्यमंत्री के रूप में वीडी सतीशन के शपथ समारोह के दौरान वंदेमातरम् का पूरा गायन किया जा रहा था, लेकिन इस दौरान वे अपनी कुर्सी पर बैठे रहे। जब वीडी सतीशन बैठे रहे, तो मंच पर मौजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें खड़े होने का इशारा किया, जिसके बाद वे खड़े हो गए। इस प्रकार वंदेमातरम् पर विवाद बढ़ता ही गया। केरल की चुनी नई विधानसभा के पहले सत्र में ही राजनीतिक विवाद उठ खड़ा हुआ है। वहां पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की ही तरह राष्ट्र गीत वंदेमातरम् गाने पर विवाद छिड़ गया । विवाद ने तब जन्म लिया, जब जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के सदन में संबोधन से पहले 'वंदेमातरम्' का पूरा संस्करण न बजाने का फैसला किया। पूरा राष्ट्र गीत बजाने की जगह केवल दो अंतरा ही बजाया गया। इस पर राज्यपाल ने कड़ी आपत्ति जताई।

केरल विधानसभा में राज्यपाल के नीतिगत अभिभाषण से पहले और बाद में एक बैंड दल ने वंदेमातरम् के शुरुआती अंतरे प्रस्तुत किए थे। राज्यपाल ने विधानसभा से लौटने के बाद लोक भवन में पत्रकारों से कहा कि यह पहले से तय था कि जब भी राज्यपाल सदन में मौजूद हों, तब वंदेमातरम् पूरा गाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गीत केवल बजाया गया, गाया नहीं गया। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने इस मामले में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस और उसका यूडीएफ गठबंधन एक राजनीतिक विचारधारा के ढांचे के भीतर काम करते हैं और वे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के फैसलों के अनुसार संचालित होते हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का स्पष्ट रुख है और वही गठबंधन पर भी लागू होता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वंदेमातरम् को पूरा गाना अनिवार्य नहीं है, क्योंकि संसद ने इस संबंध में कोई कानून पारित नहीं किया है। उन्होंने कहा, संसद द्वारा केवल कुछ दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के शपथ ग्रहण समारोह में वंदेमातरम् का पूरा संस्करण गाए जाने को लेकर एक बड़ा राजनीतिक विवाद छिड़ गया था। इस कदम पर वामपंथी दलों (वामदलों) ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वामदलों के इस रुख पर तीखा पलटवार किया था। इस विवाद ने राज्य के राजनीतिक माहौल को पूरी तरह गरमा दिया और राष्ट्रगीत के गायन को लेकर बहस तेज हो गई है। सीपीएम (सीपीएम) और सीपीआई (सीपीआई) जैसे वामपंथी दलों ने आधिकारिक समारोह में पूरा वंदेमातरम् गाए जाने को भारत के बहु–सांस्कृतिक और विविध समाज के सिद्धांतों के खिलाफ बताया। सीपीएम का कहना है कि 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति और 1950 में संविधान सभा में हुई चर्चाओं के अनुसार, वंदेमातरम् की केवल पहली आठ पंक्तियों को ही आधिकारिक राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया गया था। पार्टी के मुताबिक, इस गीत के कुछ हिस्से विशिष्ट धार्मिक मान्यताओं को दर्शाते हैं, जिन्हें आधिकारिक उपयोग से बाहर रखा गया था। वामदलों का तर्क है कि भाजपा–शासित राज्यों में भी शपथ ग्रहण के दौरान पूरा गीत नहीं गाया जाता है। सीपीआई के नेता बिनॉय विश्वम ने भी इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि कुछ पंक्तियां महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के धर्मनिरपेक्ष भारत के दृष्टिकोण के अनुकूल नहीं थीं, इसलिए उन्हें हटाया गया था।

वंदेमातरम् के गायन और समारोह के नियमों को लेकर ऐसा ही एक विवाद पहले तमिलनाडु में भी देखने को मिला था। वहां मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान तय परंपरा को बदलने पर सीपीआई ने आपत्ति जताई थी। नियम के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत तमिल राज्य गान तमिल ताई वाल्थु से होनी चाहिए थी और अंत राष्ट्रगान से होना था लेकिन राजभवन के निर्देशों पर वंदेमातरम् को पहले और तमिल गान को तीसरे स्थान पर रख दिया गया था, जिसे वामदलों ने स्थापित नियमों और परंपराओं का उल्लंघन बताया था।

वंदेमातरम् भारत का राष्ट्रीय गीत है, जिसकी रचना बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1870 के दशक में की थी।

यह गीत मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है। वंदेमातरम् का शाब्दिक अर्थ है– हे माँ (मातृभूमि), मैं तुझे नमन (प्रणाम) करता हूँ। इस गीत ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों और देशवासियों में असीम ऊर्जा और देशभक्ति की भावना जगाई थी। गीत के शेष छंदों में माँ दुर्गा और लक्ष्मी के रूप में भारत माता की शक्ति और ममता का वर्णन है, जो भारतीयों को ऊर्जा और भक्ति प्रदान करती हैं। (हिफी)

उम्र सिर्फ नंबर है! 59 की उम्र में भी धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने पिंक साड़ी पहन जीता सबका दिल

बच्चा हो या बूढ़ा हर कोई माधुरी दीक्षित की अदाओं पर दीवाना है। 59 की उम्र में भी धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित की खूबसूरती कम होने का नाम नहीं ले रही है। फिलहाल इन दिनों वो अपनी नेटफ्लिक्स मूवी मां–बहन को लेकर काफी चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिन्हे देखने के बाद हर कोई उनकी तारीफ के कसीदे पढ़ रहा है। इस साड़ी पर की नाजुक फूलों की कढ़ाई इसे बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लुक दे रही है। इस साड़ी की खास बात ही इसकी सादगी है, जो इसे और भी ज्यादा सुन्दर बना रही है। इसी के साथ अगर उनके हेयर स्टाइल की बात करें तो उन्होंने बन किया हुआ है। बहुत ज्यादा भारी–भरकम एयररिंग न पहनते हुए उन्होंने सिंपल से स्टेटमेंट ईयररिंग्स पहने हैं, जो उनकी खूबसूरती को चार चाँद लगा रहे हैं। इसी के साथ माधुरी के हर एक तस्वीर में अलग–अलग पोज बनाए हुए हैं।

> “ इस साड़ी की खास बात ही इसकी सादगी है, जो इसे और भी ज्यादा सुन्दर बना रही है। इसी के साथ अगर उनके हेयर स्टाइल की बात करें तो उन्होंने बन किया हुआ है।

रिटर्न ऑफ द जंगल' रिव्यू: मनोरंजन, संस्कार और रोमांच का खूबसूरत संगम

रिटर्न ऑफ द जंगल' एक ऐसी एनिमेशन फिल्म है जो मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को भी खूबसूरती से सामने लाती है। यह फिल्म बच्चों को रोमांचक जंगल की दुनिया में ले जाती है, जबकि बड़ों को उन दिनों की याद दिलाती है जब कहानियां सिर्फ समय बिताने का साधन नहीं, बल्कि जीवन की सीख हुआ करती थीं। पंचतंत्र से प्रेरित कथाओं पर आधारित यह फिल्म बच्चों को सहज और रोचक अंदाज में महत्वपूर्ण संदेश देती है। कहानी में कोई बड़ा ट्विस्ट या असाधारण ड्रामा नहीं है, लेकिन इसकी सादगी और भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरते हैं। वैभव कुमारेश का निर्देशन फिल्म को सहज, दिल से जुड़ा हुआ और प्रभावशाली बनाता है। उन्होंने कहानी को बिना किसी अनावश्यक जटिलता के प्रस्तुत किया है, जिससे बच्चे और बड़े दोनों आसानी से उससे जुड़ पाते हैं। फिल्म की गति संतुलित है और हर दृश्य कहानी के संदेश को मजबूती देता है। फिल्म का एनीमेशन रंगीन, आकर्षक और बच्चों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। जंगल के जीवंत किरदार शुरुआत से अंत तक दर्शकों को बांधे रखते हैं। वहीं, संगीत और गीत कहानी के माहौल को और बेहतर बनाते हैं तथा कई भावनात्मक दृश्यों के प्रभाव को गहरा करते हैं। कहानी कुछ जगहों पर अनुमानित महसूस हो सकती है और अनुभवी दर्शकों को इसमें नएपन की कमी भी लग सकती है। हालांकि, फिल्म का सकारात्मक संदेश और पारिवारिक अपील इन कमियों को काफी हद तक संतुलित कर देती है।'रिटर्न ऑफ द जंगल' एक दिल को छू लेने वाली पारिवारिक फिल्म है, जो मनोरंजन के साथ सीख भी देती है। बच्चों के लिए यह रोमांच और मजेदार अनुभव है, जबकि बड़ों के लिए यह यादों, संस्कारों और जीवन मूल्यों से भरा भावनात्मक सफर साबित होती है।

क्या दुआ लीपा ने कैलम टर्नर से की शादी ? वायरल हो रहीं तस्वीरें

ग्लोबल पॉप स्टार दुआ लीपा और एक्टर कैलम टर्नर की शादी को लेकर खबरें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने आधिकारिक तौर पर शादी कर ली है। उन्होंने लंदन के ओल्ड मैरिलेबोन टाउन हॉल में एक निजी समारोह में शादी की। इस निजी समारोह के दौरान उनके दोस्त और परिवार के लोग मौजूद थे। जब वे समारोह स्थल से बाहर निकले, तो उन पर रंगीन कागज के टुकड़े बरसाए गए। दुआ लीपा और कैलम टर्नर की शादी की जानकारी पेज सिक्स ने दी है। दोनों कलाकारों ने अपनी शादी को लेकर अभी तक कुछ नहीं कहा है। सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह तस्वीरें एआई जनरेटेड हैं या असली। दोनों कलाकारों का रिश्ता पहली बार जनवरी 2024 में सुर्खियों में आया था। उस समय, पेज सिक्स ने खुलासा किया था कि लीपा और टर्नर एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। उन्हें टर्नर की फिल्म मास्टर्स ऑफ एयर के प्रीमियर की आफ्टर–पार्टी में एक साथ डांस करते हुए देखा गया था। उस समय एक सूत्र ने इस जोड़े के बारे में कहा था कि वे एक–दूसरे के दीवाने हैं। इस महीने की शुरुआत में लीपा ने एक पोस्ट की। पोस्ट को देखकर ऐसा लग रहा था कि यह उनकी बैचलर पार्टी का जश्न था। लीपा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों की एक पोस्ट शेयर की। इन तस्वीरों में उनके करीबी दोस्त और दुल्हन के लिए खास तौर पर रखे गए सफेद कपड़ों से भरा एक सूटकेस दिखाई दे रहा था। खबरें यह भी हैं कि यह जोड़ा इटली के पालेर्मो में मौजूद एक विला में अपनी शादी का दूसरा जश्न मनाने की भी योजना बना रहा है।

पूजा भट्ट ने मनीष मखीजा संग बताई अपने तलाक की वजह, बोलीं-रिश्ते में अकेला लगने लगा था और मैं बच्चे नहीं चाहती थी

इन दिनों पूजा भट्ट अपने बयानों की वजह से काफी सुर्खियों में चल रही हैं। कुछ दिनों पहले ही उनके बॉबी देओल संग अफेयर की यादें ताजा हुई थीं और अब पूजा भट्ट ने अपनी शादीशुदा जीवन से जुड़ी की कुछ बातें साँझा की हैं, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर बस उन्हीं के चर्चे हो रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान पूजा भट्ट ने बताया कि 2003 में उनकी शादी मनीष मखीजा संग हुई थी लेकिन ज्यादा देर तक ये शादी टिकी नहीं और 2014 में उनका तलाक हो गया है। इसी पर पूजा भट्ट ने कहा कि मेरे काफी दोस्तों ने मुझसे पूछा कि तुमने इतनी जल्दी शादी क्यों खत्म की लेकिन मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं था। हालाँकि उस समय मेरी जिंदगी में कोई और नहीं था लेकिन मुझे अपनी ही शादी में अकेलापन महसूस होने लगा था। जब किसी के साथ होने के बावजूद भी आप अकेला महसूस करते हैं तो इसका मतलब आपका रिश्ता नहीं है। इसी के साथ पूजा भट्ट ने बताया कि दोस्ती से उनके रिश्ते की शुरुआत हुई थी लेकिन ज्यादा दिन यह चल नहीं पाया और कहा कि मुझे पीछे मुड़के देखना पसंद नहीं और न ही कभी देखना चाहूंगी। इसी के साथ पूजा भट्ट ने अपने रिश्ते और तलाक को लेकर खुलकर बात करते हुआ खा कि वह कभी भी अपनी जिंदगी की परेशानियों के लिए किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहती थीं। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपने फैसलों की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी में जो भी रिश्ते आए, उन्होंने बहुत कुछ सीखा और इसके लिए वो खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हैं। अपनी शादी टूटने की वजह बताते हुए पूजा ने कहा कि वह कभी मां नहीं बनना चाहती थीं। हालांकि उन्हें बच्चे बहुत पसंद हैं, लेकिन मातृत्व को लेकर उनके मन में वैसी भावना कभी नहीं आई। अपने करियर के सुनहरे दौर में वह अपने सपनों और लक्ष्यों को पूरा करना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने अपने मन और अपनी इच्छाओं को प्राथमिकता दी। पूजा ने बताया कि उनके और उनके पूर्व पति के बच्चे नहीं थे, जिससे दोनों को अपने रिश्ते के बारे में ईमानदारी से सोचने और सही फैसला लेने में मदद मिली।

परफेक्ट फिगर पाने के लिए तापसी पन्नू ने की हद से ज्यादा कसरत, अब लड़कियों से की यह खास गुजारिश

तापसी पन्नू अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बॉडी इमेज से जुड़ी मुश्किलों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने स्लिम–फिट दिखने के लिए बहुत मेहनत की। इस कोशिश में उन्होंने अपने आपको परेशान किया। उन्होंने अपनी जिंदगी के उस दौर को याद किया जब उन्हें एक खास तरह का दिखने का बहुत ज्यादा दबाव महसूस होता था। तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया मुझे याद है कि मुझे सपाट पेट पाने का जुनून था, क्योंकि बड़े होते समय मैं बहुत ज्यादा फिट थी, लेकिन मुझे कभी समझ नहीं आया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी हमेशा क्यों बनी रहती थी। इसे कम करने के लिए मैंने इतनी ज्यादा कसरत की कि मैंने खुद को हद से ज्यादा थका दिया। यह बात बिल्कुल सही है कि जब आप खुद को हद से ज्यादा थकाते हैं, तो आपके दिमाग में एक खतरे की घंटी बजती है कि आपके शरीर को सुरक्षा की जरूरत है। तापसी ने आगे बताया कि शरीर पानी को बाहर निकालने के बजाय उसे जमा करना शुरू कर देता है। फिर पेट के निचले हिस्से की वह चर्बी, जो असल में सिर्फ चर्बी नहीं होती, बल्कि पानी का जमाव भी होता है, वहीं बना रहता है। ज्यादा कसरत करने से यह और बढ़ जाता है। तापसी का मानना है कि लोगों को ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए। तापसी ने आगे समझाया कि हर महिला का शरीर अलग होता है और हमें इस बात को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि खुद को बहुत ज्यादा परेशान करने के बाद उन्हें यह बात बहुत देर से समझ आई। तब उन्हें एहसास हुआ कि कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब पेट थोड़ा फूला हुआ दिखता है और कुछ दिन ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा श्मेरी न्यूट्रिशनिस्ट ने मुझे समझाया कि पेट के निचले हिस्से में थोड़ी सी चर्बी और थोड़ा सा पानी जमा होना असल में जरूरी होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वहीं आपके प्रजनन अंग होते हैं, जिन्हें सुरक्षा की जरूरत होती है। एक महिला होने के नाते, आपको उस सुरक्षा की जरूरत होती है। उन्होंने आखिर में कहा, यह आपके लिए सेहतमंद है। इसलिए, सिर्फ इंस्टाग्राम पर परफेक्ट दिखने वाली तस्वीरें डालने के लिए, प्लीज खुद को परेशान मत कीजिए। पेट के निचले हिस्से में थोड़ा सा उभार और थोड़ी सी चर्बी होना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। तापसी पन्नू को आखिरी बार फिल्म अस्सी में देखा गया था। इस फिल्म के निर्देशक अनुभव सिन्हा हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी।

माइक्रोवेव को साफ करने का सबसे बेस्ट तरीका ये रहा, जिद्दी दाग के साथ बदबू भी होगी दूर

हर भारतीय किचन में माइक्रोवेव का प्रयोग बहुत किया जाता है। कुकिंग से लेकर बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करने में कई बार माइक्रोवेव का इस्तेमाल होता है। जिस कारण बहुत तेजी से इसमें जिद्दी दाग, बदबू और चिकनाहट पैदा हो जाती है। जिसे साफ करना महिलाओं के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे

में आप इसे साफ करने के लिए कुछ ट्रिक्स को अपना सकती है। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

सोडा और पानी

पानी और बेकिंग सोडा सबसे पहले तो एक साथ मिक्स करें। जिसमें सोड़े की मात्रा ज्यादा होनी चाहिए। एकदम गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब जहां–जहां दाल, सब्जी चिपका हुआ है वहां–वहां इसे लगाकर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पहले गीले कपड़े से फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। सारे जिद्दी दाग आसानी से निकल जाएंगे।

विनेगर

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए आप सिरका और पानी की मदद ले सकते हैं। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में इनका घोल डालें और माइक्रोवेव में अंदर स्प्रे कर लें। इसके बाद इसे करीब 4 मिनट के लिए चलाकर वाइप करें। ऐसा करने से माइक्रोवेव साफ हो जाएगा।

नींबू

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए सबसे पहले नींबू के दो टुकड़े कर लें। इसके बाद माइक्रोवेव प्लेट पर नींबू को उल्टा करके रखें। अब इस प्लेट पर साथ–साथ 1 चम्मच पानी भी डाल दें और माइक्रोवेव को 1 मिनट के लिए चला दें। एक मिनट बाद जब माइक्रोवेव बंद हो जाए तो साफ कपड़े से पोछ लें।

पेपर टॉवल

इसके लिए आप 3 से 4 पेपर टॉवल को हल्का गीला करें और इसे माइक्रोवेव में रखें। अब माइक्रोवेव ऑन कर दें और करीब 3 से 5 मिनट तक हाई हीट पर चलाएं। ऐसा करने से माइक्रोवेव के अंदर लगा दाग आदि साफ हो जाएगा।

नहाने के बाद कभी न रखे बाथरूम में खाली बाल्टी, वरना जेब में नहीं बचेगी एक भी फूटी कोड़ी

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इसका प्रभाव न केवल मन और मानव शरीर पर पड़ता है बल्कि घर में रखी हर एक चीज पर भी पड़ता है। दरअसल वास्तु में ऐसे नियम बताए गए हैं जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सुखी, सरल और संपन्न बना सकता है। लेकिन वास्तु का पालन न करने वाले

लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आपको बता दें घर के कमरे से लेकर किचन व बाथरूम तक हर एक चीज में वास्तु का विशेष संबंध है। ऐसे ही बाथरूम में रखी बाल्टी भी यदि सही तरीके से न रखी गई हो तो यह दुख का कारण बन सकता है। तो चलिए जानते है बाथरूम में रखी बाल्टी से जुड़े वास्तु के नियम के बारे में।

न रखें खाली बाल्टी

घर में कई बार हम नहाने या कपड़े धोने के बाद बाल्टी खाली करके बाथरूम में रख देते हैं जिसे वास्तु में अशुभ माना जाता है। वास्तु का कहना है कि अगर आप बाथरूम में बाल्टी खाली रखते है तो ऐसा करने से घर में पैसों की तंगी होने लगती हैं व व्यक्ति आर्थिक परेशानियों से भी जूझने लगता है इसलिए हमेशा नहाने व कपड़े धोने के बाद बाल्टी को साफ करके पानी से भरकर रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी।

इस रंग की बाल्टी न रखें

वहीं दूसरी ओर वास्तु में यह मानयता है कि बाथरूम में कभी भी काले रंग की बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। काली बाल्टी घर में कष्टों का कारण बन सकती हैं। वास्तु के मुताबिक नीला रंग शनि और राहु के अशुभ प्रभाव को कम करता है। इसलिए बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि नीले रंग की बाल्टी बाथरूम में रखना शुभ माना जाता है। इसके अलावा बाथरूम में नीले रंग की टाइल्स ही लगवानी चाहिए।

बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी और यमी पनीर रोल, टिफिन के लिए है एकदम परफेक्ट रेसिपी

पनीर रोल एक ऐसी फूड डिश है जिसे बच्चे बड़े चाव से खाते है। ये खाने में जितनी टेस्टी लगती है इसे बनाना उतना ही आसान है। सुबह का वक्त सभी के लिए काफी व्यस्तता से भरा होता है, ऐसे में कई बार ऐसी नौबत भी आ जाती है जब ब्रेकफास्ट बनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं बचता। ऐसी सूरत में पनीर रोल बनाना बेस्ट ऑप्शन है तो चलिए जानते है इसे बनाने की रेसिपी।

सामग्री

गेंहू का आटा – 3 कप
पनीर – 200 ग्राम (टुकड़ों में कटे हुए)
शिमला मिर्च – 1 (टुकड़ों में कटी हुई)
प्याज – 1 (बारीक कटा हुआ)
टमाटर – 1
मटर –आधा कप
जीरा – आधा चम्मच
नमक –स्वादानुसार
तेल – आवश्यकतानुसार
हल्दी – आधा चम्मच
केचप– स्वादानुसार
चिली सॉस –स्वादानुसार
धनिया पत्ते –मुट्ठीभर
गरम मसाला –आधा चम्मच
खीरे और प्याज के टुकड़े– पतले कटे हुए

बनाने की विधि

1 पनीर रोल बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को अच्छे से गूंथ लें।

2 फिर कड़ाही में 2 चम्मच तेल डालें और तेल गर्म होने के बाद उसमें जीरा डालें।

3 अब उसमें टमाटर और प्याज डालकर थोड़ी देर भून लें।

4 इस मिश्रण में फिर सब्जियां, गरम मसाला, हल्दी के साथ नमक डालें और ढककर थोड़ी देर पकाएं।

5 इसके बाद इसमें पनीर के टुकड़ों को मिलाएं और बीच–बीच में कड़छी चलाते रहें।

6 अब गैस बंद करके ऊपर से धनिया पत्ता डालकर एक बार फिर मिलाएं।

7 इसके बाद गूंथे हुए आटे की रोटी बना लें।

8 इसमें केचप और टोमेटो सॉस लगा लें और पनीर के मिश्रण को डाल दें।

9 इसके ऊपर फिर खीरा डालकर रोटी रोल कर लें।

10 लीजिए तैयार है आपकी पनीर रोल की रेसिपी।

पति–पत्नी में होती है रोज लड़ाई, तो ये उपाय दूर करेंगे आपकी हर समस्या

शादी के बाद हर लड़का और लड़की की जिंदगी बदल जाती है। इस रिश्ते में कभी एक पल प्यार तो कभी एक पल में तकरार होने लगती है। आपने कई लोगों के मुंह से एक बात जरूर सुनी होगी कि श्शादी का लड्डू जो खाए सो पछताए, जो ना खाए वो भी पछताएश। लेकिन कभी–कभी किन्ही कारणों से शादीशुदा जिंदगी में मधुरता खत्म होने लगती है। ऐसी स्थिति में सेपरेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसके लिए समय से पूर्व ही उपाय करना फायदेमंद होता है। वास्तु शास्त्र में पति–पत्नी के रिश्ते को मध ुर बनाने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करने से रिश्ते मधुर हो जाते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

इन आसान उपायों से रिश्ते करें मधुर

1 पति–पत्नी में हमेशा खटपट रहती है तो आपको महादेव और माता पार्वती की नियमित रूप से पूजा करनी चाहिए। ध्यान रहे पूजा के समय घी का दीपक जलाकर अपने रिश्ते को मधुर बनाने की भगवान से कामना करें। ऐसा करने से आपस में जो झगड़े होते है वो दूर हो जाएगे। कोशिश करें की शिव चालीसा का पाठ जरुर पढ़ें।

2 अपने रिश्ते को ठीक करने के लिए शुक्रवार के दिन मंदिर जाकर मां लक्ष्मी को गुलाब का फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें। इसके साथ मां को सफेद रंग की मिठाई भी भेंट करें। ऐसा करने से आपके रिश्ते मधुर हो जाएगे। क्योंकि शुक्रवार का दिन मां

दुर्गा और लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस लिए सच्चे मन से मंदिर जाकर यह उपाय करने से आपको सफलता जरूर हासिल होगी।

3 तीसरे उपाय में आप रिश्ते को मजबूत करने के लिए गुरुवार के दिन हल्दी की गाठों को पीले रंग के कपड़े में बांध दें। इसके पश्चात हाथ में रख श्ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमःश मंत्र का जाप करें। अब हल्दी भगवान विष्णु को अर्पित कर दें। ऐसा करने से आपके रिश्ते में जो बिना वजह के खटपट होती है वह दूर हो जाएगी।

सोते समय जरुर रखें सिरहाने पर कपूर

4 अगर पति–पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन है, तो रोजाना रात में सोते समय सिरहाने पर कपूर रखें। आप चाहे तो तकिए के नीचे भी कपूर रख सकते हैं। अगली सुबह कपूर को जला दें। इस उपाय को करने से रिश्ते मधुर होते हैं।

5 ध्यान रहे विवाहित महिलाओं को वायव्य कोण में नहीं सोना चाहिए। इस दिशा में सोने से वैवाहिक जीवन में परेशानी आती है। साथ ही धन के देवता कुबेर भी अप्रसन्न हो जाते हैं।

6 वास्तु का कहना है कि तो बेड पर पति को दाएं तरफ और पत्नी को बाएं तरफ सोना चाहिए। इससे रिश्ते मधुर रहते हैं।

बच्चा बनेगा बेहतर और सफल इंसान, बस पेरेंट्स अपनाएं ये गोल्डन रूल्स

बच्चों को बेहतर इंसान बनाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत होती है। जिससे आपके बच्चे सामाजिक रूप में ढल सकें और एक बेहतर इंसान बनकर निकलें। इसलिए आज हम आपके लिए ऐसे गोल्डन रूल्स और टिप्स लेकर आए है। जिनकी मदद से आप बच्चों को एक बेहतर और सफल इंसान बना सकते हैं। इन टिप्स को अपनाने के बाद ना तो आपके बच्चे बात–बात में जिद करेंगे और ना ही ऐसा होगा कि वो आपकी बात ना सुनें।

बच्चों को चीजों की वैल्यू समझाएं

बच्चों को सुख सुविधाएं देना हर माता पिता की जिम्मेदारी होती है लेकिन आप इसे थोड़ा लिमिट में करें। क्योंकि अगर आप बच्चों की हर इच्छा पूरी कर देते है। उसे बोलेने के पहले ही चीज या कोई वास्तु लाकर दे देते है। ऐसा करने से बच्चा बिगगड़ जाता है। मान लीजिए आपका बच्चा नौकी क्लास में पड़ता है। दूसरे बच्चों को देखकर उसने आपसे आईफोन की मांग की है। अगर आप उसकी यह मांग पूरी कर देते है। तो यह ठीक नहीं है। यह आपका बच्चे के प्रति प्यार नहीं फैशन और स्टेटस सिंबल है। इससे बच्चे चीजों की वैल्यू करना बंद कर देंगें, वो मेहनत से दूर भागेंगे क्योंकि आपने उनके लिए एक शॉर्टकट पहले से ही तैयार कर रखा है। सोचिए अगर आप अपने बच्चों को महंगे फोन अभी से देने लगे तो वो पहली सैलरी की वैल्यू कभी समझ ही नहीं पाएंगे। कई मामलों में ऐसे बच्चे मेहनती नहीं बन पाते और ये हमेशा याद रखिए कि अगर बच्चा मेहनत से दूर भागेगा तो आपका बच्चा सफल नहीं बन पाएगा।

बच्चों से हरअपडेट लें

जब भी आप काम से घर आते है थोड़ी रेस्ट करने के बाद एक घंटा अपने बच्चों के साथ बिताएं। उनके साथ मिल्क शेक, मैंगो शेक या बनाना शेक का एक–एक गिलास लेकर कहीं शांति की जगह पर बैठ जाएं। फिर उनसे माता–पिता जैसे नहीं बल्कि एक दोस्त जैसे बात करें। उनसे पूछें कि उनकी क्लास में क्या चल रहा है, उनकी पढ़ाई में उन्हें कोई दिक्कत तो नहीं। उन्हें भरोसा दिलाएं कि आप उनके साथ उनकी परेशानी हल करने के लिए बैठे हैं ना कि उन्हें डांटने या जासूसी करने के लिए। अगर शुरुआत में बच्चा आपको कुछ भी बताने में झिझक रहा है तो उससे जिद ना करें। उस बात को वहीं छोड़ दें और अपनी बातें बच्चे से शेयर करें। ऐसा करने से बच्चे धीरे–धीरे आपको दोस्त मानने लगेंगे और आपके अपने दिल की बात कहेंगे।

गलतियों का एहसास कराएं

बच्चों की गलतियों को बच्चा समझ कभी न टाले, ऐसा करने से उन्हें और बढ़ावा मिलेगा। अगर बच्चा गाली सीख रहा है और उसे रिपीट भी कर रहा है तो उसे फौरन टोकिए और टोकने का तरीका ऐसा रखें कि बच्चे को बेईज्जती जैसा महसूस ना हो। अगर बच्चा पब्लिक प्लेस में ऐसा कर रहा है तो उसे घर आकर समझाइए और अगर घर पर ऐसा कर रहा है तो किसी एकांत सी जगह पर ले जाकर उसे इस गलती के बारे में बताइए।

अपनी सेहत का ख्याल रखें

माता–पिता बच्चों के चक्कर में अपना अच्छे से ख्याल रखना भूल जाते है। अगर आपकी सेहत ठीक नहीं रहेगी तो इससे बच्चे की परवरिश पर भी असर पड़ेगा। सेहत का ठीक ना होना कहीं ना कहीं चिड़चिड़ेपन और उलझन को जन्म देता है। इससे आपके अंदर गुस्सा भी जन्म ले सकता है जिसका सबसे ज्यादा असर बच्चे पर पड़ सकता है।

संक्षिप्त

काम आएगा टॉप-अप लोन, कम ब्याज और आसान ईएमआई का उठा सकते हैं फायदा

नई दिल्ली,एजेंसी। कई बार होम लोन या कोई दूसरा बड़ा कर्ज लेने के बाद अचानक कुछ और पैसों की जरूरत पड़ जाती है। जैसे–मकान की मरम्मत करानी हो, बच्चों की पढ़ाई का खर्च आ गया हो, अचानक अस्पताल का बिल चुकाना हो या व्यापार का विस्तार करना हो। ऐसे समय में बिल्कुल नया कर्ज लेने के चक्कर में पड़ने के बजाय, आपका मौजूदा बैंक ही आपको एक विशेष सुविधा देता है, जिसे टॉप–अप लोन कहा जाता है। यह कोई नया कर्ज नहीं है, बल्कि आपके पुराने चल रहे कर्ज के ऊपर मिलने वाली एक अतिरिक्त रकम है। चूंकि आप पहले से ही उस बैंक के ग्राहक हैं, इसलिए बैंक के पास आपके आय के दस्तावेज, पहचान पत्र और आपके कर्ज चुकाने का पुराना रिकॉर्ड मौजूद होता है। बैंक को नए सिरे से आपकी जांच नहीं करनी पड़ती, इसलिए यह पैसा बहुत जल्दी और कम कागजी कार्रवाई के साथ मिल जाता है। अतिरिक्त सुविधा को देने से पहले बैंक सिर्फ तीन बातें देखता है– आपने पुराने कर्ज की सभी किस्तें समय पर चुकाई हों, आपकी आमदनी स्थिर हो और आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो। अगर कर्ज किसी मकान या जमीन के बदले लिया गया है, तो बैंक यह भी देखता है कि उस संपत्ति की बाजार में आज की कीमत कितनी है। यह अतिरिक्त रकम भी आपको हर महीने ईएमआई के रूप में ही वापस चुकानी होती है। बिना कुछ गिरवी रखे मिलने वाले पर्सनल लोन की ब्याज दरें बहुत ज्यादा होती हैं। उसके मुकाबले यह अतिरिक्त कर्ज काफी सस्ता पड़ता है, जिससे आपकी जेब पर हर महीने ज्यादा बोझ नहीं पड़ता। अचानक पैसों की जरूरत हो, तो बैंक के चक्कर काटने, प्रोसेसिंग फीस देने और लंबी कागजी कार्रवाई से आप पूरी तरह बच जाते हैं। इसे चुकाने के लिए आपको अच्छा–खासा समय मिल जाता है, जो आपके पुराने कर्ज की बची हुई अवधि के बराबर हो सकता है। इसका इस्तेमाल बच्चों की उच्च शिक्षा, घर के सुधार या किसी पुराने महंगे कर्ज को एक बार में चुकता करने के लिए करना ही सही माना जाता है। अचानक आई मेडिकल इमरजेंसी में भी यह बड़ी राहत देता है। इसका उपयोग बिना सोचे–समझे महंगी गाड़ियां खरीदने, छुट्टियां मनाने या गैर–जरूरी शौक पूरे करने के लिए कभी न करें।

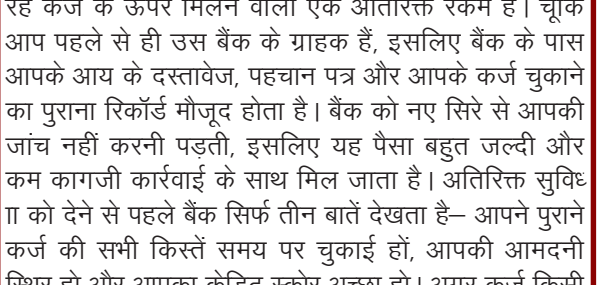

डेट फंड की गिरती एनएवी का सच, बाजार के इस चक्रव्यूह में छुपा है कमाई का मौका!

नई दिल्ली,एजेंसी। नोएडा के आरजी रेजीडेंसी में रहने वाले दिव्यांशु ने जब अपनी गाढ़ी कमाई को पूरी तरह सुरक्षित मानकर लंबी अवधि के डेट फंड में लगाया, तो उन्हें उम्मीद थी कि फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर और स्थिर रिटर्न मिलेगा। पिछले हफ्ते जब उन्होंने अपना पोर्टफोलियो स्टेटमेंट खोला, तो उनकी आंखें फटी रह गईं– फंड की एनएवी बढ़ने के बजाय नीचे गिर रही थी। जिस निवेश को उन्होंने पूंजी की सुरक्षा का सबसे मजबूत किला माना था, वहां नुकसान दिखाई दे रहा था। आखिर इस सुरक्षित किले में यह सेंध कैसे लगी? इस नुकसान के पीछे आपके म्यूचुअल फंड या स्कीम की कोई खराबी नहीं है, बल्कि इसके पीछे काम कर रहा है बॉन्ड बाजार का वह चक्रव्यूह, जिसे हम बदलती ब्याज दरों का माहौल कहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यही माहौल जहां कुछ निवेशकों के लिए थोड़ी चिंता लेकर आया है, वहीं समझदार और दूरदर्शी निवेशकों के लिए यह आने वाले भविष्य की मजबूत और संतुलित संपत्ति निर्माण की एक बड़ी नींव भी बन सकता है। ब्याज दरों और पुराने बॉन्ड की कीमतों में हमेशा छत्तीस का आंकड़ा होता है। जब ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो बाजार में मौजूद पुराने बॉन्ड की कीमतें नीचे गिर जाती हैं। इसका सीधा कारण है कि नए निवेशकों को बाजार में अधिक ब्याज देने वाले नए बॉन्ड आसानी से उपलब्ध होते हैं। ऐसे में कम ब्याज देने वाले पुराने बॉन्ड कोई क्यों खरीदेगा? इसी वजह से, पुराने बॉन्ड की मांग कम हो जाती है और वे कम आकर्षक लगने लगते हैं। चूंकि सभी डेट म्यूचुअल फंड अपने पोर्टफोलियो में मौजूद इन बॉन्डों का रोजाना के बाजार भाव पर मूल्यांकन करते हैं, इसलिए बॉन्ड की कीमतों में आने वाली इस गिरावट का सीधा असर फंड की एनएवी पर पड़ता है। वित्तीय भाषा में इसे मार्क–टू–मार्केट प्रभाव कहते हैं। पिछले कुछ महीनों में रुपये की कमजोरी, वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी ने वित्तीय बाजारों पर दबाव बहुत बढ़ा दिया है। इसी का नतीजा है कि भारत में 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड अब 7 फीसदी के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर चुकी है, जिससे लंबी अवधि वाले डेट फंडों की एनएवी पर दबाव साफ दिख रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि आपको डेट फंड में निवेश करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि आपको कहां और किस रणनीति के साथ अपना पैसा लगाना चाहिए। अगर आप अपनी समय सीमा और लक्ष्यों को बांट लेते हैं, तो यह बाजार आपके लिए बेहद सहज हो जाएगा। अगर निवेश लक्ष्य बहुत छोटा है, तो इस समय लंबी अवधि वाले डेट फंडों से दूरी बना लेना ही समझदारी है। आपको शॉर्ट ड्यूरेशन श्रेणी, जैसे–मनी मार्केट फंड, अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड और लो ड्यूरेशन फंड्स पर ध्यान देना चाहिए। ये फंड बहुत ही कम अवधि की मैच्योरिटी वाली सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं। कम मैच्योरिटी के कारण इन पर ब्याज दरों के उतार–चढ़ाव का असर न के बराबर पड़ता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यहां एक बड़ा अवसर छिपा हुआ है। अगर लक्ष्य 15–20 साल का है, तो लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड या राज्य सरकारों के

2016 में रन मशीन, 2026 में मैच विनर: कौन से कोहली रहे ज्यादा खतरनाक? केवल स्ट्राइक रेट नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। जब भी विराट कोहली के सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन की बात होगी तो सबसे पहले 2016 का नाम लिया जाएगा। 16 मैच, 973 रन, चार शतक, सात अर्धशतक और 152.03 का स्ट्राइक रेट। यह ऐसा रिकॉर्ड है जो आज भी आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ा व्यक्तिगत बल्लेबाजी प्रदर्शन माना जाता है, लेकिन आईपीएल 2026 के बाद एक दिलचस्प बहस शुरू हो गई है। क्या 675 रन बनाने वाला विराट कोहली वास्तव में 973 रन वाले विराट से ज्यादा प्रभावशाली है? पहली नजर में यह सवाल अजीब लगता है। आखिर 300 रन कम बनाने वाला सीजन बेहतर कैसे हो सकता है? लेकिन टी20 क्रिकेट सिर्फ रन गिनने का खेल नहीं है। यह रन बनाने की गति, मैच पर प्रभाव और टीम की सफलता का भी खेल है। यहीं 2026 का विराट 2016 वाले विराट को चुनौती देता दिखाई देता है। 2016 में विराट ने 16 मैचों में 973 रन बनाए थे। उनका औसत 81.08 और स्ट्राइक रेट 152.03 रहा था। उन्होंने 83 चौके और 38 छक्के लगाए थे। दूसरी तरफ 2026 में उन्होंने 16 मैचों में 675 रन बनाए, औसत 56.25 रहा, लेकिन स्ट्राइक रेट बढ़कर 165.85 तक पहुंच गया। उन्होंने 73 चौके और 25 छक्के लगाए। सिर्फ इन आंकड़ों को देखें तो मुकाबला खत्म हो जाता है। 2016 का सीजन आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा बल्लेबाजी सीजन माना जाता है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि किसने ज्यादा रन बनाए। सवाल यह है कि टी20 क्रिकेट में टीम को ज्यादा फायदा किस विराट ने पहुंचाया? 2026 में रन कम थे, लेकिन रन बनाने की रफ्तार कहीं ज्यादा थी। असल अंतर विराट की सोच में दिखा। 2016 में आरसीबी काफी हद तक विराट कोहली और एबी डिविलियर्स पर निर्भर थी। तब विराट मध्यक्रम में उतरते थे और एंकर का किरदार निभाते थे। उनका काम एक छोर को बचाए रखना और बाकी बल्लेबाजों को आक्रमक होकर खेलने देना होता था। वह भी रन गति को बनाए रखते थे। विराट को अक्सर लंबी पारी खेलनी पड़ती थी क्योंकि टीम की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी उनके कंधों पर

थी। यही वजह थी कि उन्होंने 63 गेंदों में 100', 58 गेंदों में 108', 55 गेंदों में 109 और 50 गेंदों में 113 रन जैसी विशाल पारियां खेलीं। वह सिर्फ रन नहीं बना रहे थे, बल्कि पूरी बल्लेबाजी इकाई को संभाल रहे थे। 2026 में तस्वीर पूरी तरह अलग थी। कोहली बतौर ओपनर खेल रहे थे और उन्हें पता था कि नीचे उनका बोझ बांटने के लिए रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर, जितेश शर्मा और देवदत्त पडिक्कल जैसे आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं। नतीजा यह हुआ कि कोहली ने अपनी बल्लेबाजी को और आक्रामक बनाया। इस सीजन में 38 गेंदों पर नाबाद 69, 44 गेंदों पर 81, 37 गेंदों पर 58 और फाइनल में 42 गेंदों पर नाबाद 75 रन जैसी पारियां देखने को मिलीं। उन्होंने शुरुआत से ही गेंदबाजों पर हमला किया और मैच की गति तय की। सबसे बड़ा बदलाव पावरप्ले में नजर आया। 2016 का विराट परिस्थितियों के हिसाब से खेलता था, जबकि 2026 का विराट परिस्थितियां बदल देता था। इस सीजन में उन्होंने लगभग हर दूसरी गेंद पर बाउंड्री लगाने का प्रयास किया। यही कारण है कि उनका स्ट्राइक रेट 165 से ऊपर पहुंचा। आधुनिक टी20 क्रिकेट में यह आंकड़ा बेहद खास माना जाता है। अगर दोनों सीजन के मैच–विजेता प्रदर्शनों को देखें तो 2016 में विराट ने 11 बार 50 से ज्यादा रन बनाए थे, जबकि 2026 में यह संख्या सात रही। लेकिन 2026 की पारियां ज्यादा तेज और ज्यादा मैच–निर्णायक थीं। उन्होंने कम गेंदों में मैच को विपक्ष की पहुंच से बाहर कर दिया। यही आधुनिक टी20 बल्लेबाजी की पहचान है। 2016 में विराट का रिकॉर्डतोड़ सीजन फाइनल में हार के साथ खत्म हुआ। आरसीबी खिताब से चूक गई। फाइनल में विराट ने 35 गेंदों पर 54 रन बनाए, लेकिन टीम ट्रॉफी नहीं जीत सकी। 2026 में विराट ने फाइनल में नाबाद 75 रन बनाए और आखिरी तक क्रीज पर रहकर टीम को लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन बनाया। यही वह अंतर है जो आंकड़ों से आगे जाकर विरासत तय करता है। दिलचस्प बात यह भी है कि 2016 में विराट का औसत और रन संख्या दोनों ज्यादा थे, लेकिन 2026 में उन्होंने टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी की। वह हर मैच में शतक बनाने नहीं निकले, बल्कि मैच जिताने निकले। यही वजह है कि कई क्रिकेट विश्लेषक इस सीजन को विराट के सबसे परिपक्व टी20 सीजन के रूप में देख रहे हैं। इसलिए निष्कर्ष सीधा है। अगर सवाल सबसे ज्यादा रन बनाने का है तो 2016 का विराट आज भी नंबर–1 है, लेकिन अगर सवाल यह है कि किस सीजन में विराट ने टी20 क्रिकेट को सबसे बेहतर तरीके से खेला और टीम को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाया और वह एक परिपूर्ण टी20 बल्लेबाज दिखे, तो 2026 का सीजन 2016 के बराबर, और कुछ मायनों में उससे आगे भी खड़ा दिखाई देता है।

नेपाल के बल्लेबाज ने एक ओवर में जड़े छह छक्के, युवराज-पोलार्ड की फहरिस्त में हुए शामिल

सिंगापुर,एजेंसी। नेपाल के स्टार बल्लेबाज कुशल भुर्तेल ने एशियन गेम्स क्वालिफायर में ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने उन्हें क्रिकेट इतिहास की खास सूची में शामिल कर दिया। सिंगापुर नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर चीन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भुर्तेल ने एक ही ओवर की छह वैध गेंदों पर लगातार छह छक्के जड़ दिए। उन्होंने चीन के बाएं हाथ के स्पिनर चेन झुओ यूए के ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले दुनिया के सिर्फ छठे खिलाड़ी बन गए। कुशल भुर्तेल नेपाल क्रिकेट टीम के प्रमुख सलामी बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। 1997 में जन्मे भुर्तेल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और पिछले कुछ वर्षों में नेपाल क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खास पहचान बनाई, जब लगातार मैचों में शानदार प्रदर्शन कर नेपाल को कई महत्वपूर्ण जीत दिलाईं। दाएं हाथ के बल्लेबाज भुर्तेल सीमित ओवरों के क्रिकेट में तेज रन बनाने की क्षमता रखते हैं और नेपाल की बल्लेबाजी इकाई की रीढ़ माने जाते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने का कारनामा सबसे पहले भारतीय दिग्गज युवराज सिंह ने 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ किया था। अब भुर्तेल का नाम इस विशिष्ट सूची में शामिल हो गया है, जिसमें कीरोन पोलार्ड, दीपेंद्र सिंह एयरी, डेरियस विसर और मनन बशीर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि भुर्तेल यह उपलब्धि हासिल करने वाले नेपाल के दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले उनके साथी खिलाड़ी दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 2024 में कतर के खिलाफ एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। छह छक्कों के इस धमाके के अलावा भुर्तेल ने पूरे मैच में चीन के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उन्होंने सिर्फ 43 गेंदों में 129 रन की विस्फोटक पारी खेली और नेपाल को 20 ओवर में 313ध्2 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नेपाल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। भुर्तेल की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत मिले 314 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चीन की टीम पूरी तरह दबाव में दिखी।

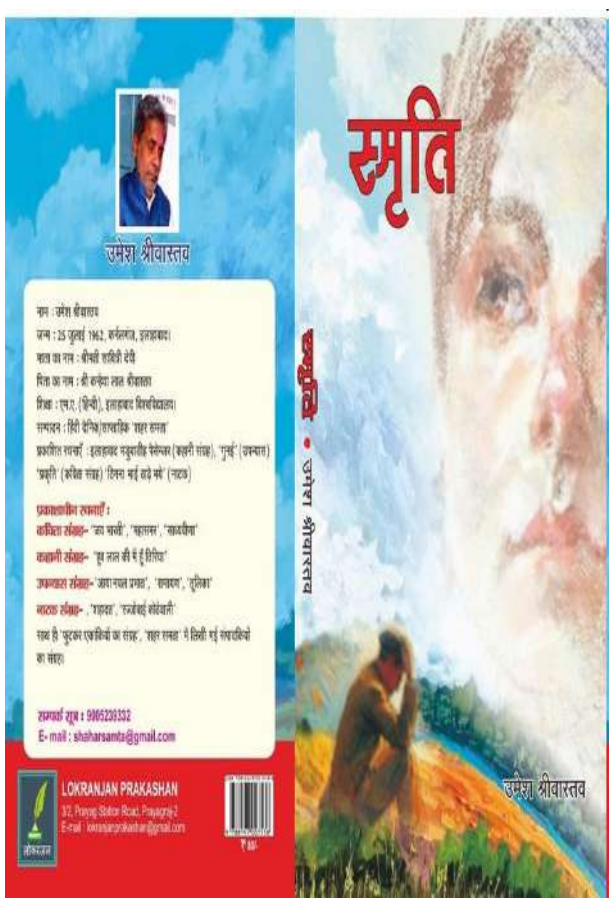

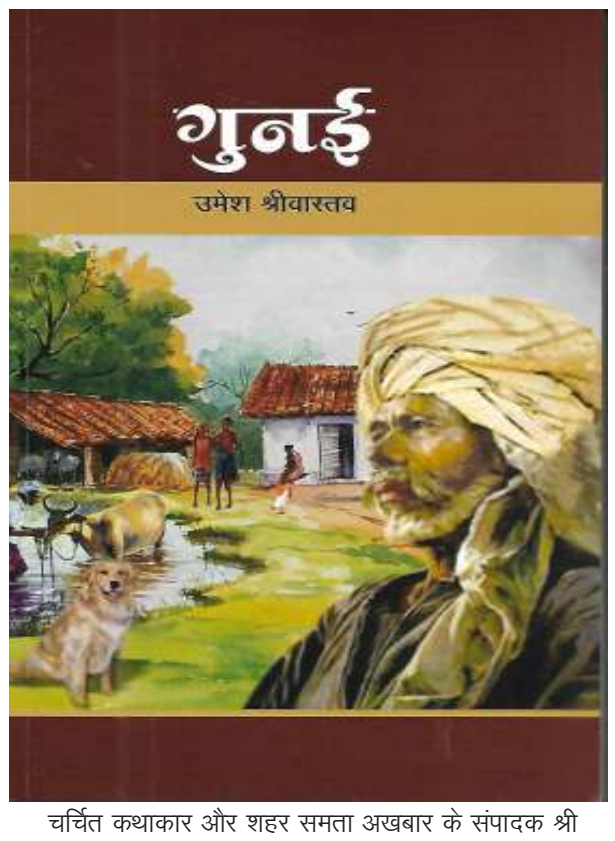

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

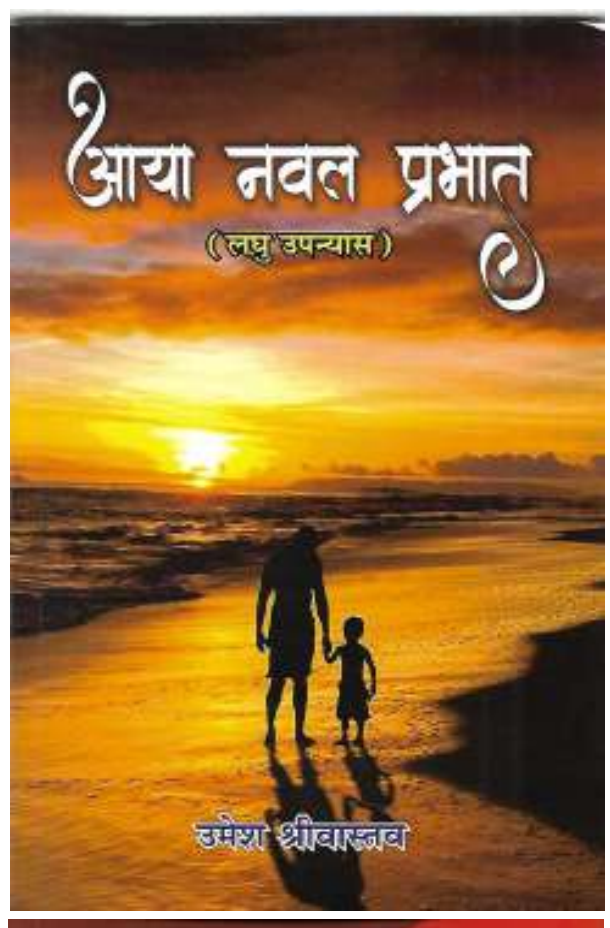

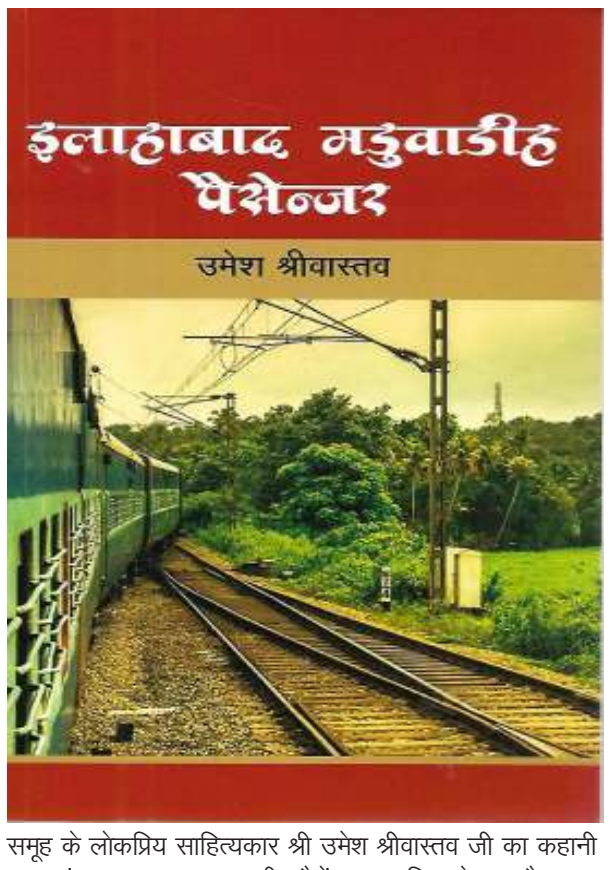

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

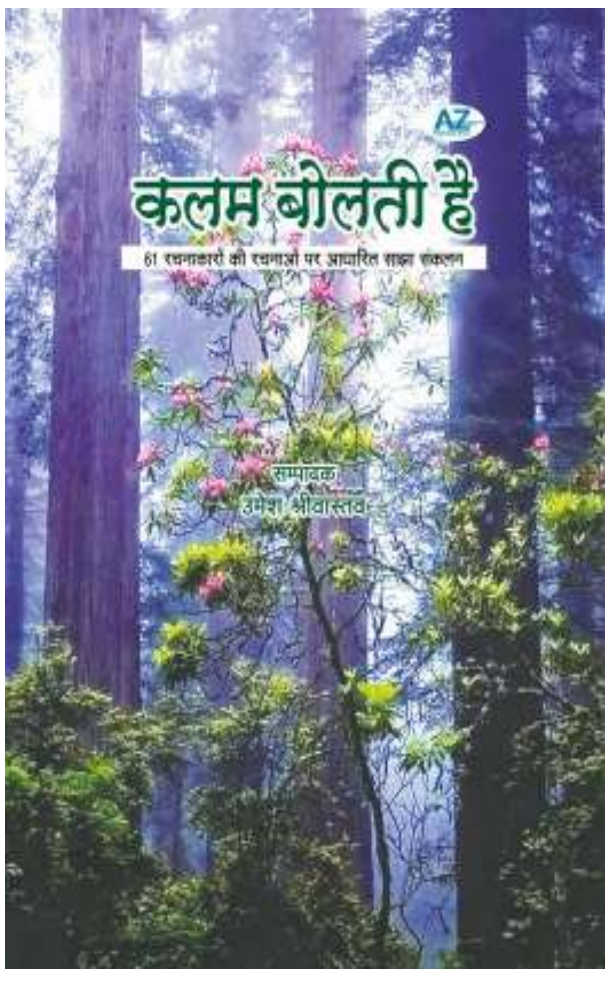

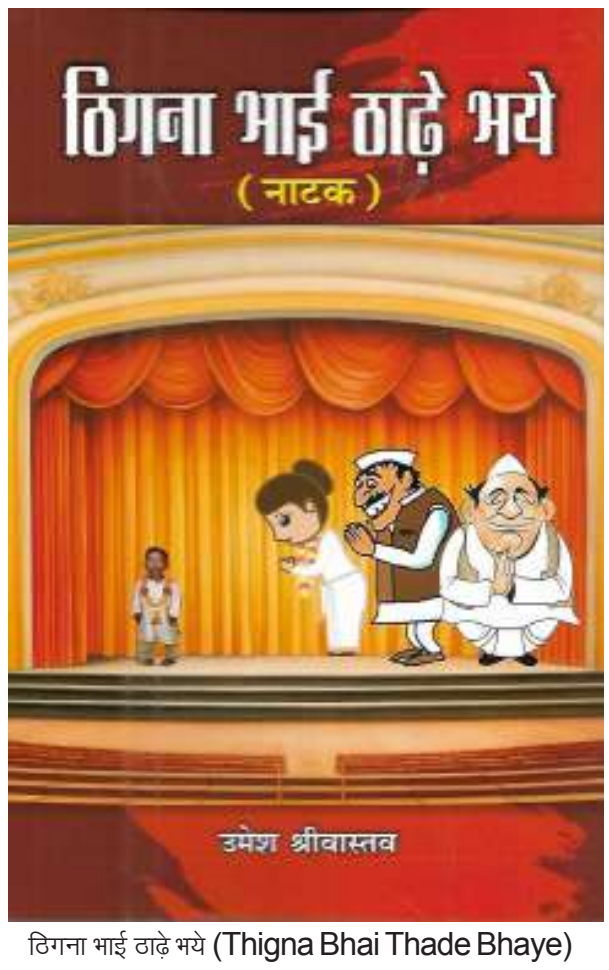

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

श्रीलंका में धार्मिक उत्सव के दौरान बड़ा हादसा, बेकाबू ट्रक ने भीड़ को कुचला, 6 की मौत, कई घायल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल कोलंबो के बाहरी इलाके में बौद्ध धर्म के प्रमुख वेसाक उत्सव के दौरान एक बेकाबू ट्रक ने लोगों की भीड़ को कुचल दिया, जिसमें छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 13 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ट्रक का ड्राइवर नशे की हालत में वाहन चला रहा था और नशे की हालत में ही उसने उत्सव मना रहे लोगों की भीड़ को कुचल दिया। कैसे हुआ हादसा? यह हादसा रविवार रात कोलंबो को मीगोडा इलाके में हुआ, जहां वेसाक समारोह के तहत लगाए गए एक मुफ्त फूड स्टॉल के बाहर बड़ी संख्या में लोग कतार में खड़े थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ट्रक भीड़ में घुस गया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 35 से 38 वर्ष आयु के तीन पुरुष और 15 से 56 वर्ष आयु की तीन महिलाएं शामिल हैं। हादसे में एक बच्चे समेत 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद 42 वर्षीय चालक मौके से फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने कई किलोमीटर दूर तक उसका पीछा करके उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह शराब के नशे में वाहन चला रहा था। वेसाक बौद्ध धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, जो भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण की याद में मनाया जाता है। इस अवसर पर श्रीलंका भर में श्रद्धालु मुफ्त भोजन और पेय पदार्थों के स्टॉल लगाते हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। पुलिस ने बताया कि उत्सव के दौरान अस्थायी स्टॉलों के आसपास भारी भीड़ और सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग के कारण यातायात दबाव बढ़ जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है।

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस को झटका, फ्रांसीसी कमांडो ने पकड़ा प्रतिबंधित तेल टैंकर, जानें सबकुछ

पेरिस, एजेंसी। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के तेल निर्यात पर शिकंजा कसने की कोशिशों में फ्रांस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। फ्रांसीसी नौसेना ने ब्रिटेन के सहयोग से रूस से आ रहे

प्रतिबंधित तेल टैंकर श्टगोरश (ज्हवत) को अटलांटिक महासागर में रोक लिया। यह कदम उन देशों की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है जो यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं और रूस की युद्ध मशीन को मिलने वाली आर्थिक मदद को कमजोर करना चाहते हैं। क्या बोले मैक्रों? फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को नौसेना के जवानों ने जहाज पर चढ़कर जांच की। मैक्रों ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें हेलीकॉप्टर से एक कमांडो को जहाज पर उतरते हुए देखा जा सकता है। मैक्रों का सख्त संदेश मैक्रों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को दरकिनार करना, समुद्री कानूनों का उल्लंघन करना और यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को वित्तीय मदद देना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे जहाज न केवल नियमों की अनदेखी करते हैं, बल्कि पर्यावरण और समुद्री सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, तेल से होने वाली कमाई रूस की अर्थव्यवस्था का अहम आधार है। इसी आय के जरिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में जारी युद्ध पर भारी खर्च कर रहे हैं, जबकि घरेलू अर्थव्यवस्था पर दबाव को सीमित रखने की कोशिश भी कर रहे हैं। पश्चिमी देशों का आरोप है कि रूस प्रतिबंधों से बचने के लिए सैकड़ों जहाजों के एक तथाकथित श्शैडो फ्लीटश का इस्तेमाल कर रहा है। ये जहाज अक्सर अपनी पहचान छिपाकर या नियमों को दरकिनार कर तेल का परिवहन करते हैं। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों ने ऐसे जहाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकल्प लिया है। फ्रांसीसी नौसेना इससे पहले भी रूस से जुड़े होने के संदेह वाले कई टैंकरों को रोक चुकी है। मार्च में भूमध्य सागर में श्डेयनाश नामक टैंकर की जांच की गई थी। वहीं जनवरी में पकड़े गए 'ग्रिंच' टैंकर को फरवरी में कई मिलियन यूरो का जुर्माना भरने के बाद रिहा किया गया था।

म्यांमार हादसे में 55 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा मकान तबाह, राहत और बचाव कार्य जारी

यंगून , एजेंसी। म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (ज्छस्।) ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ। मृतकों में 25 महिलाएं मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

अब क्या चाहते हैं ट्रंप ?: माउंट रशमोर में जगह पाने की चाह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर की एआई से बनी तस्वीर

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर माउंट रशमोर में अपनी जगह बनाने की बहस को हवा दे दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक एआई से तैयार की गई तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका चेहरा अमेरिका के चार ऐतिहासिक राष्ट्रपतियों के साथ माउंट रशमोर स्मारक पर दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में ट्रंप को जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के साथ दिखाया गया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस तस्वीर के साथ कोई टिप्पणी या संदेश साझा नहीं किया। माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल दक्षिण डकोटा के कीस्टोन स्थित ब्लैक हिल्स क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों पर उकेरा गया एक विशाल स्मारक है। यहां अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपतियों के 60 फुट ऊंचे चेहरे तराशे गए हैं। यह स्मारक अमेरिका के जन्म, क्षेत्रीय विस्तार, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। स्मारक के मूल मूर्तिकार गुटजोन बोर्ग्लम ने इन चार राष्ट्रपतियों का चयन अमेरिका के पहले 150 वर्षों के इतिहास को दर्शाने के उद्देश्य से किया था। जॉर्ज वॉशिंगटन को अमेरिकी गणराज्य की स्थापना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना गया, जबकि थॉमस जेफरसन देश के क्षेत्रीय विस्तार का प्रतिनिधित्व करते हैं। थियोडोर रूजवेल्ट को राष्ट्रीय विकास और वैश्विक मंच पर अमेरिका के उभार के प्रतीक के रूप में शामिल किया गया था। वहीं, अब्राहम लिंकन को अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया। माउंट रशमोर में ट्रंप के चेहरे को शामिल करने का विचार पहली बार 2018 में चर्चा में आया था। उस समय ट्रंप ने दक्षिण डकोटा की तत्कालीन गवर्नर क्रिस्टी नोएम से कथित तौर पर कहा था कि माउंट रशमोर पर अपना चेहरा देखना उनका ष्सपनाष है। इसके बाद से ट्रंप लगातार इस विचार का समर्थन करते रहे हैं और उनका तर्क रहा है कि उनके प्रशासन की उपलब्धियां उन्हें इस ऐतिहासिक स्मारक में शामिल किए जाने योग्य बनाती हैं। वर्ष 2020 में ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भी इस प्रस्ताव का उल्लेख किया था। इसके अलावा, अमेरिकी कांग्रेस में उनके समर्थकों ने इस दिशा में औपचारिक प्रयास भी किए हैं। फ्लोरिडा से रिपब्लिकन सांसद अन्ना पॉलिना लूना ने ऐसा विधेयक पेश किया था, जिसमें अमेरिकी आंतरिक विभाग को माउंट रशमोर पर ट्रंप की आकृति उकेरने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। ट्रंप को माउंट रशमोर में शामिल करने की चर्चा को प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का भी समर्थन मिलता रहा है। अमेरिकी आंतरिक मंत्री डग बर्गम सहित कई अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से संकेत दिया है कि स्मारक में एक अतिरिक्त चेहरा जोड़ने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सकती है। हालांकि, इस दिशा में अब तक कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया गया है।

शादी के बाद हेलिकॉप्टर में भरी उड़ान, भारतीय मूल के युवक समेत पायलट की मौत, पत्नी बची

वॉशिंगटन, एजेसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुए एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में भारतीय मूल के एक युवक और पायलट की मौत हो गई। यह हादसा युवक की शादी के कुछ घंटों बाद ही हुआ। हेलिकॉप्टर दुर्घटना में नवविवाहिता पत्नी घायल हो गई। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी सामने आई है। डेल्टा एयर लाइंस में पायलट और अटलांटा निवासी 25 वर्षीय डेव फिजी बीते शुक्रवार को डॉसन काउंटी के डॉसनविल के पास एक पांच सीटों वाले रॉबिन्सन हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मारे गए। उनकी पत्नी जेस्नी घायल हो गईं और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। परिवार के अनुसार, डेव और जेस्नी ने उसी दिन डॉसनविल के पास स्थित द रिवेरे नाम के कार्यक्रम स्थल पर शादी की थी। समारोह में सैकड़ों मेहमान शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, डेव के माता–पिता जॉर्ज और फेबा फिजी कई वर्ष पहले केरल के एर्नाकुलम जिले से अमेरिका आकर बस गए थे। जेस्नी का परिवार भी केरल के अलप्पुझा जिले से जुड़ा हुआ है। बेटे की मौत के बाद पिता जॉर्ज फिजी ने कहा, ष्वह हमारे लिए बेहद अनमोल बच्चा था, वह भगवान का दिया हुआ उपहार था।ष उन्होंने कहा, ष्हम कह सकते हैं कि यह एक आदर्श शादी थी। हम इससे अधिक कुछ नहीं मांग सकते थे।ष हालांकि, इसके बाद परिस्थितियां अचानक बदल गईं। पिता ने बताया कि नवविवाहित जोड़े को हेलिकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल से निकलकर पीचट्री–डीकाल्ब एयरपोर्ट जाना था। हालांकि, समारोह के अंत तक मौसम खराब हो गया था। जॉर्ज फिजी के अनुसार, रात करीब 9रू30 बजे समारोह समाप्त हुआ। इसके बाद कोहरे और बारिश की वजह से दृश्यता काफी कम हो गई थी। अनुभवी कमर्शियल पायलट डेव ऐसे मौसम में उड़ान को लेकर सहज नहीं थे। उनके पिता ने बताया, ष्उसने कहा था कि मैं ऐसी दृश्यता में उड़ान नहीं भरूंगा। इसके बावजूद हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी। बताया गया कि पायलट ने अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने का फैसला किया था। बाद में हेलीकॉप्टर डॉसनविल के दक्षिण–पश्चिम में घने जंगल और पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जॉर्ज फिजी ने बताया कि जेस्नी मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे करीब पांच घंटे तक फंसी रहीं, जिसके बाद बचाव दल उन्हें निकाल सका। उन्होंने कहा, ष्उसने बताया कि जब उसे होश आया तो वह मलबे के नीचे थी।ष उन्होंने आगे कहा, ष्उसने देखा कि डेव उसकी छाती पर पड़े हुए थे। वह खुद नर्स है। जब उसने उन्हें छुआ और आवाज लगाई तो पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। जेस्नी को कई जगह चोटें लगी हैं। हालांकि, डेव की मौत से वह गहरे सदमे में हैं। डॉसन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक संभावित हेलिकॉप्टर दुर्घटना की सूचना मिली थी। बाद में संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने पुष्टि की कि रात करीब 10रू30 बजे डॉसनविल के पास एक रॉबिन्सन आर66 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें तीन लोग सवार थे।

'लेबनान पर हमले रोके इस्राइल', ब्रिटेन ने हिजबुल्ला से भी की हथियार छोड़ने की मांग

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की है।

इसके साथ ही उन्होंने हिज्बुल्ला से पूर्ण रूप से हथियार छोड़ने और इस्राइल के खिलाफ हमले बंद करने का भी आग्रह किया है। यवेट कूपर ने एक्स पर जारी एक संदेश में पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा, ष्इस्राइल की लेबनान में सैन्य बढ़ोतरी से नागरिकों की मौत हुई है, लोग विस्थापित हुए हैं, बुनियादी ढांचा तबाह हुआ है और कूटनीति के लिए जगह कम हुई है। इसे समाप्त होना चाहिए। युद्धविराम का होना चाहिए सम्मान रू यवेट कूपर उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का सम्मान करना चाहिए और ईमानदारी से बातचीत की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। इस बीच अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत ने भी लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे क्रूर आक्रामकता बताया और संघर्ष तत्काल रोकने की मांग की। अहमद अबुल गैत ने कहा कि इस्राइली बल लेबनानी क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। दक्षिणी गांवों और ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया गया है। इसके साथ ही नागरिकों को निशाना बनाए जाने से बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है। उनके अनुसार यह लेबनान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। अबुल गैत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हस्तक्षेप कर इस्राइल की सैन्य कार्रवाई रुकवाने और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू कराने की मांग की।

जर्मनी ने भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान के विस्तार पर चिंता जताई है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि ष्दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की आगे बढ़त गंभीर चिंता का विषय है।ष उन्होंने कहा कि किसी भी अतिरिक्त सैन्य बढ़ोतरी से पहले से तनावपूर्ण हालात और बिगड़ेंगे। इससे नए सिरे से विस्थापन की स्थिति पैदा होगी। ब्रिटेन के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने भी कहा कि लेबनान में लगातार बढ़ता संघर्ष कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर कर रहा है और नागरिकों पर अस्वीकार्य प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा, ष्हिजबुल्ला को इस्राइल पर हमले बंद करने चाहिए और निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और अमेरिका की अगुवाई वाली वार्ता जारी रखनी चाहिए। कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप कर इस्राइल पर दबाव बनाने और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। इसी बीच कतर के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज बिन सालेह अल–खुलैफी और लेबनान के उपप्रधानमंत्री तारिक मित्री के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग और लेबनान की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत, जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस–यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे–धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या नहीं। जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह मांग उस समय की गई जब रूस ने हाल ही में कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि मौजूदा उत्पादन क्षमता उसकी जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है और पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हथियार और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि यूक्रेन और उसके सहयोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें। हेगसेथ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देशों ने भी यूक्रेन की मदद के लिए काफी संसाधन उपलब्ध कराए हैं और अमेरिका इस सहयोग का स्वागत करता है। आईएसडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के पास वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए सीमित समय है। संस्था का मानना है कि रूस इस समय युद्धक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है ।

होर्मुज में अमेरिकी सेना का बड़ा एक्शन: अब तक 118 व्यापारिक जहाज खदेड़े, पांच को किया पंगु

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया के समंदर में तनाव बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों को पूरी तरह घेर लिया है। अमेरिकी सैन्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने ईरान जाने और वहां से आने वाले 118 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया है। यही नहीं, अमेरिकी सेना की बात न मानने वाले पांच जहाजों को पूरी तरह अपाहिज यानी निष्क्रिय कर दिया गया है। अमेरिका ने ईरान की यह नौसैनिक नाकेबंदी 13 अप्रैल को शुरू की थी। अमेरिकी सेना ने साफ चेतावनी दी है। वे ईरान के बंदरगाहों की तरफ आने–जाने वाले सभी जहाजों को रोकते रहेंगे। हैरत की बात यह है कि कार्रवाई तब हो रही है जब दोनों देश शांति की राह पर आने के लिए बातचीत भी कर रहे हैं। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग तय है। लेकिन अब मामला अटक गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ दो घंटे बैठक की। इसके बाद ट्रंप ने समझौते का ड्राफ्ट वापस कर दिया। ट्रंप अब इस समझौते में और ज्यादा कड़ी शर्तें चाहते हैं। ट्रंप चाहते हैं कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्ती बरती जाए। वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को हमेशा खुला रखने की गारंटी चाहते हैं। ट्रंप ईरान को कोई आर्थिक राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। वे ओबामा के समय हुए समझौते जैसी नरमी नहीं बरतना चाहते। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम को जब्त कर नष्ट करेगा। वहीं ईरान इस पर बात करने को भी तैयार नहीं है। ईरान ने भी अमेरिका के सामने झुकने से साफ मना कर दिया है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि जब तक उनके अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, वे कोई समझौता नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन के वादों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। हमें ठोस नतीजे चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स का कहना है कि ट्रंप की शर्तें कागजों पर अच्छी हैं, लेकिन इन्हें जमीन पर लागू करना बहुत मुश्किल होगा।

ईरान समझौते के मसौदे में ट्रंप ने मांगे बड़े बदलाव, परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर सख्त शर्तें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते के मसौदे को वापस भेजकर उसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव करने को कहा है। इससे दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत लंबी खिंच सकती है और समझौते को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ हुई बैठक में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर और अधिक सख्त शर्तें जोड़ने की मांग की है। साथ ही उन्होंने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने को भी समझौते का अहम हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ईरान को दिए जाने वाले आर्थिक राहत पैकेज को लेकर भी सतर्क हैं। उन्हें आशंका है कि अगर ईरान को ज्यादा वित्तीय रियायतें दी गईं तो इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर के परमाणु समझौते से की जा सकती है, जिसकी ट्रंप पहले भी आलोचना कर चुके हैं। कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और दोनों देशों के बीच तनाव जल्द खत्म हो सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों ने भी संकेत दिए थे कि एक ऐसा समझौता तैयार किया जा रहा है जिससे संघर्ष रुकेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खुलेगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत का रास्ता बनेगा। हालांकि शुक्रवार को हुई करीब दो घंटे की बैठक के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।